पाक्षिक

क्रांतिरथ छत्तीसगढ़

सामाजिक क्रांति के पथ पर अग्रसर

◆ वर्ष - 23 ◆ अंक - 07 ◆ रायपुर 05 अक्टूबर 2026 ◆ पृष्ठ - 08 ◆ मूल्य-5/- रुपया

बलौदाबाजार में साहू समाज की मातृशक्तियों का तीजा मिलन कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न

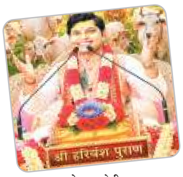

11 अक्टूबर से शुरू होगी कथा, 18 अक्टूबर को शिव गीता प्रवचन, सहस्त्रनाम व सहस्त्रधारा सहित विविध आयोजन

छत्तीसगढ़ के जंगलों को ग्लोबल टूरिज्म मॉडल से जोड़ेंगे साय

रायपुर/सिंगापुर। छत्तीसगढ़ के जंगलों और वन्यजीव संपदा को वैश्विक पर्यटन से जोड़ने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सिंगापुर के Mandai Wildlife Reserve का दौरा किया। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण, प्राकृतिक आवास के प्रबंधन और पर्यटक सुविधाओं की आधुनिक व्यवस्था का अवलोकन किया। साय ने कहा कि सिंगापुर के अनुभवों से सीख लेकर छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुरूप इको-टूरिज्म का ऐसा मॉडल विकसित किया जा सकता है, जिसमें संरक्षण के साथ पर्यटन और रोजगार को भी गति मिले।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ मंडाई वाइल्डलाइफ रिजर्व का दौरा कर वन्यजीव संरक्षण और इको-टूरिज्म की व्यवस्थाएं देखीं। साय भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के नामांकन पर सिंगापुर में आयोजित प्रथम सिंगापुर-इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ (SING) फोरम 2026 में भाग लेने पहुंचे हैं।

छत्तीसगढ़ की करीब 44 प्रतिशत भूमि वन क्षेत्र है। बस्तर से सरगुजा तक फैले जंगल, समृद्ध जैव-विविधता और राष्ट्रीय उद्यान-अभयारण्य राज्य को इको-टूरिज्म के लिए विशिष्ट आधार देते हैं। सरकार अब इन प्राकृतिक संसाधनों को बेहतर पर्यटक सुविधाओं और स्थानीय भागीदारी से जोड़कर पर्यटन की नई संभावनाएं तलाश रही है। Mandai Wildlife Reserve में मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक परिवेश में वन्यजीव संरक्षण, पर्यटकों के अनुभव, प्रबंधन व्यवस्था और जागरूकता गतिविधियों का अध्ययन किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छत्तीसगढ़ में विकास का मॉडल उसकी अपनी भौगोलिक और जैव-विविधता संबंधी विशेषताओं के अनुरूप होना चाहिए। साय ने कहा कि सिंगापुर की व्यवस्थाओं को हूबहू अपनाने के बजाय वहां के सफल अनुभवों को छत्तीसगढ़ की जरूरतों के अनुसार उपयोग में लाया जाएगा। लक्ष्य ऐसा इको-टूरिज्म मॉडल तैयार करना है, जिसमें जंगल और वन्यजीव सुरक्षित रहें तथा स्थानीय समुदायों, युवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए आय के नए अवसर बनें। बस्तर, कांगेर घाटी, अचानकमार, इंद्रावती और उदंती-सीतानदी जैसे क्षेत्र छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक पर्यटन क्षमता को दर्शाते हैं। इन क्षेत्रों में संरक्षण, स्थानीय भागीदारी और आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का बेहतर समन्वय राज्य को राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय इको-टूरिज्म मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

सार समाचार

जे.पी. दीक्षित (अधिवक्ता) मयूर क्लब के अध्यक्ष बने

भाटापारा। विगत दिवस स्थानीय मयूर क्लब समिति का वार्षिक साधारण सभा बैठक आयोजित की गई जिसमें वर्ष 2026 से 2028 हेतु नवीन पदाधिकारी का चयन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से श्री जे पी दीक्षित जी (अधिवक्ता) को अध्यक्ष व श्री राजकुमार जी अग्रवाल को उपाध्यक्ष ,श्री अमरनाथ जी गुप्ता को कोषाध्यक्ष, तथा श्री अशोक बाजपयी जी को सचिव, श्री रविंद्र जैन जी को सहसचिव पद तथा कार्यकारिणी में श्री अनिल कुमार जी भृगु, श्री उमाकांत जी जायसवाल, श्री कृष्ण कुमार जी शुक्ला व श्री नारायण प्रसाद जी भूषणिया श्री शिव कुमार जी ईदवानी को सर्वसम्मति से चुना गया। उक्त संबंध में सचिव श्री अशोक वाजपेयी ने बताया कि बैठक में उपस्थित वरिष्ठ सदस्य श्री जे पी दीक्षित, श्री श्रवण कुमार अग्रवाल, श्री विजय कुमार मल, श्री अखिलेश जिंदाणी श्री अनिल भृगु, श्री नारायण प्रसाद भूषणिया,श्री रविंद्र जैन, श्री आर के अग्रवाल, श्री अशोक बाजपेयी, श्री अमरनाथ गुप्ता, श्री शिव कुमार ईदवानी, श्री उमाकांत जायसवाल, व अन्य सदस्यों की उपस्थिति में निर्वाचन संपन्न हुआ।

सभी उपस्थित सदस्यों ने पूर्व पदाधिकारी पर विश्वास जताते हुए उनके कार्यकाल की प्रशंसा की व बधाई देते हुए मयूर क्लब द्वारा संचालित समाजसेवी शिक्षण संस्थाओं का संचालन व जनहितकारी कार्य₹ मों के संचालन में पूर्ववत सहयोग प्रदान करने व उनके कार्य क्षेत्र को विस्तार देने हेतु हर संभव मदद देने की बात कही।

मयूर क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री जे पी दीक्षित ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सेवा सद्भाव व आम जनता के हित में निस्वार्थ सेवा भाव के उद्देश्य से सन् 1976 में आरंभ की गई जनकल्याणकारी योजनाओं को आगे भी निरंतर जारी रखने के साथ ही समिति द्वारा संचालित विद्यालय को न्यूनतम शुल्क पर और भी अधिक सुविधाजनक ,प्रतिस्पर्धात्मक उच्च स्तरीय शिक्षा व शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने की बात कही। अपने सहयोगी सदस्यों पर विश्वास प्रकट करते हुए समिति के माध्यम से नगर हित व समाज हित में कार्य करते रहने हेतु कृत संकल्प रहने की बात कही।

चंडीगढ़ के 6 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी से हड़कंप

चंडीगढ़ । पंजाब और हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ के छह प्रतिष्ठित स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरा संदेश मिलने के बाद सोमवार सुबह पूरे शहर में हड़कंप मच गया। पुलिस कंट्रोल रूम को मिले एक अज्ञात संदेश में शहर के अलग-अलग सेक्टरों में स्थित छह शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, उच्चाधिकारी और तमाम सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट मोड पर आ गईं और एहतियात के तौर पर सुरक्षा घेरा कड़ा कर दिया गया।

महानदी विवाद के समाधान की दिशा में बड़ी पहल

मंत्री शाह की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ और ओडिशा की उच्चस्तरीय बैठक

महानदी हमें बांटने वाली नहीं, दोनों राज्यों को जोड़ने वाली जीवनधारा : समाधान ऐसा हो जिसमें दोनों राज्यों की जीत हो - मुख्यमंत्री साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच लंबे समय से चले आ रहे महानदी जल विवाद के सौहार्दपूर्ण और स्थायी समाधान की दिशा में आज नई दिल्ली में महत्वपूर्ण पहल हुई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में कर्तव्य भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी ने महानदी से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की और अपने-अपने राज्यों का पक्ष रखा। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल, केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के मुख्य सचिव सहित केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय, केंद्रीय जल आयोग तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बैठक में छत्तीसगढ़ का पक्ष रखते हुए कहा कि महानदी केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि दोनों राज्यों की सभ्यता, संस्कृति, कृषि और जनजीवन से जुड़ी जीवनधारा है। महानदी छत्तीसगढ़ और ओडिशा को बांटने वाली नहीं, बल्कि दोनों राज्यों को जोड़ने वाली नदी है। इसलिए इसका समाधान भी प्रतिस्पर्धा या टकराव के बजाय सहयोग, विश्वास और सहमति की भावना से निकलना चाहिए।

संवाद, वैज्ञानिक आकलन और आपसी सहमति से न्यायपूर्ण एवं स्थायी समाधान के लिए छत्तीसगढ़ पूरी तरह प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा प्रयास ऐसा समाधान निकालने का होना चाहिए जिसमें दोनों राज्यों और वहां के नागरिकों के हित सुरक्षित हों। छत्तीसगढ़ न्यायपूर्ण, निष्पक्ष, वैज्ञानिक, पारदर्शी और दीर्घकालिक समाधान का पक्षधर है। ऐसा समाधान दोनों राज्यों के किसानों, आम नागरिकों और आने वाली पीढ़ियों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार होना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महानदी का उद्गम छत्तीसगढ़ में होता है और इसके जलग्रहण क्षेत्र का बड़ा हिस्सा प्रदेश में स्थित है। राज्य में कृषि, सिंचाई, पेयजल और विशेष रूप से आदिवासी एवं ग्रामीण अंचलों की विकास आवश्यकताएं महानदी से जुड़ी हुई हैं। इसलिए किसी भी स्थायी समाधान में छत्तीसगढ़ की इन वास्तविक आवश्यकताओं का समुचित ध्यान रखा जाना आवश्यक है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ अपने हितों की बात करते हुए ओडिशा की आवश्यकताओं और हितों का भी पूरा सम्मान करता है। हीराकुंड ओडिशा की जीवनरेखा है और छत्तीसगढ़ उसके महत्व को भलीभांति समझता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ हीराकुंड जलाशय के हितों और उसके सुचारु संचालन के लिए आवश्यक सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ने को तैयार है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जल जैसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन को साझी समृद्धि का माध्यम बनाना चाहिए। दोनों राज्यों के बीच ऐसा तंत्र विकसित हो, जिसमें जल उपलब्धता, आवश्यकता और उपयोग से संबंधित तथ्य पारदर्शी ढंग से साझा हों और वैज्ञानिक आधार पर निर्णय लिए जाएं।

दोनों राज्यों के किसानों, आम नागरिकों और आने वाली पीढ़ियों के हितों को ध्यान में रखकर आगे बढ़ने पर जोर

मुख्यमंत्री श्री साय ने महानदी जल विवाद के समाधान के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा की गई पहल का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की मध्यस्थता में दोनों राज्यों के बीच सकारात्मक संवाद से आपसी सहमति का रास्ता निकलने की उम्मीद मजबूत हुई है। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण में योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई।

मोदी के न्योते पर भारत आएंगे स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन 5 से 7 अक्टूबर तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। इस वर्ष यह उनका दूसरा भारत दौरा है। इस यात्रा के दौरान व्यापार, टेक्नोलॉजी और निवेश समेत कई अहम मुद्दों पर द्विपक्षीय बातचीत होगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति पार्मेलिन की यह भारत की पहली राजकीय यात्रा होगी और इस साल उनका दूसरा भारत दौरा होगा। इससे पहले वह फरवरी 2026 में नई दिल्ली में हुए एआई इम्पैक्ट समिट में हिस्सा लेने के लिए भारत आए थे। इस यात्रा के दौरान उनके साथ वरिष्ठ अधिकारियों और कारोबारियों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा। इस यात्रा के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने निमंत्रण दिया था। मंत्रालय ने बताया कि भारत के राष्ट्रपति की स्विट्जरलैंड की आखिरी राजकीय यात्रा 2019 में हुई थी। इसके पहले प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 में स्विट्जरलैंड की आधिकारिक यात्रा की थी और इसके बाद 2018 में भी वहां गए थे। मंत्रालय ने बताया कि पांच अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पार्मेलिन के बीच द्विपक्षीय बातचीत होगी। दोनों नेता कई क्षेत्रों में भारत-स्विट्जरलैंड सहयोग की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इनमें व्यापार, निवेश, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार, गतिशीलता और संस्कृति और जनसंपर्क जैसे क्षेत्र शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि बैठक के दौरान दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचार साझा करेंगे। इसके अलावा, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग को लेकर भी चर्चा होगी। राष्ट्रपति पार्मेलिन भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति मुर्मु उनके सम्मान में एक आधिकारिक भोज का आयोजन भी करेंगी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भी राष्ट्रपति पार्मेलिन से मुलाकात करेंगे। मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति पार्मेलिन का यह दौरा इसलिए भी खास है क्योंकि वह सात अक्टूबर 2026 को दूसरे इंडिया-ईएफटीए प्रॉस्पेरिटी समिट में हिस्सा लेंगे। इस समिट का आयोजन भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) के लागू होने की पहली सालगिरह के मौके पर किया जा रहा है।

चुनाव आयोग ने कानून तोड़ा होगा तो फैसले रोक देंगे

सुको का SIR के 14 फैसलों पर नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने का अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया। उन पर स्ढ्र से जुड़े करीब 14 फैसले दो अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लेने का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि अगर फैसले बिना सहमति के लिए पाए गए, तो उन्हें वापस लिया जा सकता है। CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने याचिका पर केंद्र सरकार, चुनाव आयोग, CEC ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी, डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मनीष गर्ग और DG (IT) सीमा खन्ना को नोटिस जारी किया।

विकास सिंह (याचिकाकर्ता के वकील)- 2023 के नए कानून से चुनाव आयोग की शक्तियां बढ़ गई हैं। आयोग के काम करने के तरीके में भी बदलाव हुआ है। अनूप बरनवाल केस के बाद अब स्थिति बदल गई है।

भाजपा के 8 राज्यसभा प्रत्याशियों का ऐलान, सभी नए

राज्यपाल गंगवार की बेटी को उतारा, मोदी के 2 मंत्रियों को टिकट नहीं मिला

लखनऊ. यूपी में भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए सोमवार दोपहर 8 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया। सभी नए उम्मीदवार हैं। इनमें 2 महिलाएं हैं। पीएम मोदी के मंत्रिमंडल में शामिल बीएल वर्मा और हरदीप सिंह पुरी का टिकट काट दिया गया है। माना जा रहा है कि इनकी मोदी मंत्रिमंडल से छुट्टी हो सकती है। प्रत्याशियों में 2 ब्राह्मण, 1 ठाकुर, 3 पिछड़े और 2 दलित हैं। पिछड़े वर्ग में एक लोधी, एक कुर्मी और एक पाल समाज से हैं। वहीं, दलित वर्ग में एक खटीक और एक पासी समाज से हैं।सपा के 2 उम्मीदवार प्रोफेसर राम गोपाल यादव और उद्योगपति धनराज परिमल नाथवानी ने 30 सितंबर को नामांकन दाखिल किया है। यदि सपा तीसरे और भाजपा 9वें उम्मीदवार को नहीं उतारती है तो चुनाव में सपा के 2 और भाजपा के 8 उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन तय है।यूपी में राज्यसभा की 31 सीटें हैं। इनमें 10 सीटों पर 16 अक्टूबर को चुनाव होना है। 6 अक्टूबर को नामांकन का आखिरी दिन है। भाजपा से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, बीएल वर्मा और नीरज शेखर, सीमा द्विवेदी, बृजलाल, गीता शाक्य, अरुण सिंह और सपा के रामगोपाल यादव, बसपा के रामजी गौतम का कार्यकाल 25 नवंबर को खत्म हो रहा है। डॉ. दिनेश शर्मा अंडमान निकोबार बना दिए गए हैं। उन्होंने इस्तीफा दिया है। भाजपा गीता शाक्य, नीरज शेखर और सीमा द्विवेदी को विधानसभा चुनाव लड़ा सकती है।

राधाकांत ओझा | गोपी कृष्ण पांडेय | धर्मपाल सिंह | प्रकाश पाल

जिला निषाद समाज का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। जिला निषाद समाज बेमेतरा का शपथ ग्रहण समारोह द किंग महल होटल बेमेतरा में धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का बाजे-गाजे के साथ स्वागत किया गया। इसके पश्चात प्रभु श्रीरामचंद्र जी एवं भगवान श्री गुहा निषादराज जी का पूजन-अर्चन एवं आरती की गई। इसके बाद अतिथियों ने मंचासीन होकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने वॉइस कॉल के माध्यम से सभा को संबोधित किया। उन्होंने निषाद समाज की बहुप्रतीक्षित मांग बेमेतरा में निषाद समाज छात्रावास निर्माण के लिए 30 लाख रुपये की घोषणा की। वहीं बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने भी छात्रावास निर्माण में सहयोग करने की बात कही। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने निषादराज चौक को और अधिक भव्य बनाने का आश्वासन दिया।

छात्रावास के लिए 30 लाख की घोषणा

जिला अध्यक्ष दिलीप निषाद ने समाज की ओर से मांग पत्र का वाचन करते हुए अतिथियों को मांग पत्र सौंपा। पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद, मछुआ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रदीप कैवर्त, निषाद समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष बोधीराम निषाद, प्रदेश चुनाव अधिकारी ईश्वर निषाद एवं प्रेमलता निषाद नेमा निषाद ने भी सभा को संबोधित करते हुए समाज के लोगों से शिक्षित एवं संगठित रहने का आह्वान किया। समारोह में सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। जिले के 20 सरपंचों एवं 5 जनपद सदस्यों का भी सम्मान किया गया। जिले के 29 परिक्षेत्रों से पहुंचे समाजजनों, महिला प्रकोष्ठ तथा जिला निषाद समाज के सभी सलाहकारों एवं संरक्षकों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में करीब 800 समाजजनों ने सहभागिता की। समारोह को सफल बनाने में युवा प्रकोष्ठ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष राजकुमार निषाद ने किया। समारोह में टिकुराम निषाद, ज्ञान प्रसाद, नरेंद्र निषाद, के.आर. निषाद, अशोक निषाद, सम्मान निषाद, रेवाराम, रामविलास निषाद, शिव कुमार निषाद, प्रभु राम निषाद, लीला राम निषाद, कंस राम निषाद, धनाजी निषाद, धर्मेंद्र निषाद, नंदकुमार निषाद, देव कुमार निषाद, चिंताराम निषाद, रवि निषाद, प्रकाश निषाद, वासुदेव निषाद, राजकुमार निषाद, नरेंद्र निषाद, बाबूराम निषाद, तुलसी निषाद, अवध निषाद, सेवकराम निषाद, संतोष निषाद, गोरेलाल निषाद, रामावतार निषाद, सोहन निषाद, श्रीमती करुणा निषाद, पुष्पा निषाद, उत्तरा निषाद सहित युवा प्रकोष्ठ से ईश्वर निषाद, रोहित निषाद, पुनाराम निषाद, बूधे निषाद, ओमान निषाद, विकास निषाद, संजय निषाद, राजू निषाद, विमलेश निषाद सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

भाटापारा में धड़ल्ले से बिक रहे है शैक्षणिक संस्थानों के समीप नशीले पदार्थ

भाटापारा। शहर में इन दिनों तमाम शासकीय व अर्द्धशासकीय एवं निजी स्कूलों के समीप धड़ल्ले से तंबाकू उत्पाद की बिक्री जारी है। जिसमें पान, गुटका, खैनी , जर्दा, तंबाकू मिश्रित पाउच गुटका, सिगरेट, ई सिगरेट सहित अन्य तमाम नशीले पदार्थ धड़ल्ले से बेचे जा रहे है। जबकि शासन के निर्देशानुसार तमाम शैक्षणिक संस्थान की बाहरी सीमा से 100 गज के भीतर तंबाकू उत्पाद बिक्री पुरी तरह प्रतिबंधित है। खाद्य सुरक्षा विभाग की कमजोरी की वजह से स्कूल के नजदीक ही बच्चों को तमाम प्रकार के नशीले पदार्थ आसानी से सुलभ हो रहे है जबकि शासन का यह स्पष्ट निर्देश है कि बच्चों को नशीले पदार्थ से दुर रखने के लिए किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 77 के तहत शैक्षणिक संस्थान के आस पास तमाम तंबाकू उत्पाद का वितरण बिक्री व भंडारण के साथ साथ विज्ञापन लगाना भी गैर कानूनी है। जिसका पालन भाटापारा शहरी क्षेत्र में नही हो रहा है। फलस्वरूप शैक्षणिक संस्थानों की बाहरी सीमा से 100 गज के भीतर होटल, पान दुकान, चाय दुकान , नास्ता सेंटर सहित अन्य दुकानों में धड़ल्ले से तंबाकू उत्पाद बेचे जा रहे है। खासकर तंबाकू उत्पाद में गुटका , सिगरेट , सिलोशन एवं अन्य नशीले पदार्थ के साथ साथ सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 की धारा 6 (ब) के तहत प्रतिबंधित है। लेकिन शहर मे अधिकांश शैक्षणिक संस्थाओं के इर्दगिर्द सभी नशीले पदार्थ धड़ल्ले से बेचे जा रहे है जिसको लेकर लोगो ने जिला प्रशासन से कठोर कार्यवाही करते हुए । विश्राम गृह के सामने स्थित तमाम गुमटी व ठेलो को हटाने की मांग की है।

पालिका के कार्यक्रम में महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री को दी गई श्रद्धांजली

भाटापारा। पालिका में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर आयोजित गरिमामय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने दोनों महान विभूतियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। शर्मा ने कहा कि गांधी और शास्त्री की जयंती हमारे लिए केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि जनसेवा के अपने संकल्प को और मजबूत करने का दिन है। दोनों महापुरुषों ने अपने जीवन से यह संदेश दिया कि सार्वजनिक जीवन का वास्तविक उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और विकास का लाभ पहुंचाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधी ने हमें सिखाया कि राजनीति और सार्वजनिक जीवन का केंद्र सत्ता नहीं, बल्कि समाज और जनसेवा होनी चाहिए। शास्त्री ने अपने सादगीपूर्ण जीवन और कर्तव्यनिष्ठा से यह दिखाया कि जनप्रतिनिधि का सबसे बड़ा परिचय उसका पद नहीं, बल्कि जनता के प्रति उसकी जवाबदेही होती है। पालिका अध्यक्ष ने आगे कहा जनता की अपेक्षाओं और आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों के साथ नगर के समग्र एवं संतुलित विकास की दिशा में निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

25 को सरयू साहित्य द्वारा आयोजित रामायण ज्ञान परीक्षा का पुरस्कार वितरण

भाटापारा। सरयू साहित्य परिषद द्वारा तुलसी जयंती के उपलक्ष्य मे रामायण ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में महर्षि वाल्मिकी जयंती के अवसर पर पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। रामायण ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया जिसका पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह 25अक्टूबर को आयोजन होगा। उक्त संबंध में आयोजित बैठक में सत्यनारायण जोशी, हरिहर शर्मा, उषा मिश्रा कविता शर्मा, सुषमा मिश्रा, सीमा तिवारी, सरितारानी शर्मा, भूमेश पाण्डेय, मोनू मानिक, प्रसाद दुबे, मुकेश शर्मा आदि प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

बलौदाबाजार में साहू समाज की मातृशक्तियों का तीजा मिलन कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार में साहू समाज की मातृशक्ति बहनों द्वारा तीजा मिलन कार्यक्रम का भव्य एवं हर्षोल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की बड़ी संख्या में मातृशक्तियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर पारंपरिक तीज पर्व की खुशियों को साझा किया। इस अवसर पर महिलाओं के लिए अनेक मनोरंजक, सांस्कृतिक एवं पारंपरिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिससे पूरे कार्य₹ म में उत्साह और उमंग का वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम के अंतर्गत कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़ (बाटी), बिंदी लगाओ, रिंग डालो, भाषण प्रतियोगिता (तुरंत चिट निकालकर भाषण), बैलून गेम, बिस्किट गेम, जनउला, फुगड़ी तथा जलेबी दौड़ जैसी आकर्षक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सभी प्रतियोगिताओं में मातृशक्ति बहनों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा, उत्साह एवं आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिताओं के समापन पर विजेता प्रतिभागियों को सम्मानपूर्वक पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। तीजा मिलन कार्यक्रम ने समाज की महिलाओं को एक मंच पर जोड़ने, आपसी प्रेम, भाईचारा, सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक परंपराओं को सुदृढ़ करने का

प्रेरणादायी संदेश दिया। उपस्थित सभी मातृशक्तियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्य₹ म में जिला साहू संघ के अध्यक्ष श्री सुनील साहू, उपाध्यक्ष राजाराम साहू, श्रीमती संध्या साहू, संगठन सचिव सुशील साहू, महासचिव रवि साहू, न्याय प्रकोष्ठ संयोजक सुरेंद्र साहू, तहसील अध्यक्ष पारसमणी साहू, जिला कार्यकारिणी सदस्य बी.पी. साहू, परिक्षेत्र अध्यक्ष (नगर भाटापारा) राजेश साहू, भरसेला परिक्षेत्र अध्यक्ष खिलावन साहू, वरिष्ठ समाजसेवी कल्याणी साहू, निर्मला साहू, जवा साहू, प्रेमिन साहू, कामना साहू,

ललित साहू, प्रमिला साहू, रूखमणी साहू, श्रीमती आशा साहू, श्रीमती योगेश्वरी साहू, श्रीमती राधिका साहू, चंद्रकांता साहू, श्रीमती गीता साहू, यामिनी साहू, संतोषी साहू, भुनेश्वरी साहू, दुलौरीन साहू, रजनी साहू, बुधयारीन साहू, जामवंती साहू सहित नगर की बड़ी संख्या में मातृशक्तियां एवं समाजजन उपस्थित रहे।

कार्य₹ म के सफल आयोजन में आशा साहू, योगेश्वरी साहू, चंद्रकांता साहू, मंजू साहू, प्रतिमा साहू, गीता साहू, बिन्धेश्वरी साहू, राधिका साहू, दीपा साहू, शीशा साहू, शिवमति साहू, दरसपुरन साहू एवं रूखमणी साहू का विशेष योगदान रहा।

26 वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 13 खिलाड़ियों का चयन

भाटापारा। 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमे नेटबॉल 19 वर्ष बालक में निखिल साहू, वीरेंद्र साहू, चंद्रप्रकाश, शाहिल दिवाकर, प्रकाश साहू , धानेन्द्र पंसारी, शौर्य साहू । ट्विंकल साहू , योगिता साहू, चंचल रजक, कीर्ति साहू, फूल केवरा , अफ्शा बेगमसहित 13 खिलाड़ियों का चयन हुआ है । सभी खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रायपुर जोन का प्रतिनिधित्व करेंगें । खिलाड़ियों के चयन पर एस. के.गेंदले , के. एस. मरावी , भास्कर देवांगन, संदीप शर्मा, चंद्राराम कुर्रे , आलोक गुप्ता, सतीश सोनी, धनेश साहू, योगेश कटैलिहा,परिचय मिश्रा, चंद्रकांत बागड़े, तरुण, उमाप्रसाद, लोकसिंग दिवान, निर्मल जांगड़े, सुमन साहा, सनप्रित सिंह, महेश्वरी पंसारी , फिरोज टंडन, सोनचंद ध्रुव, आकाश आनंद, ओमकुमार कुर्रे, मनोज साहू,प्रदीप, पंकज, शरद पंसारी ने बधाई दी है।

जी.एन.ए. कॉलेज में मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

भाटापारा। शासकीय गजानंद अग्रवाल महाविद्यालय में मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन प्राचार्य डॉ. ए.आर.सी. जेम्स के निर्देशन में प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा किया गया। महाविद्यालय के बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशी विद्यार्थियों द्वारा प्राणीशास्त्र पाठ्यक्रम पर आधारित रंग-बिरंगे एवं आकर्षक मॉडल तैयार कर प्रदर्शित किया गया। विद्यार्थियों की अथक मेहनत और रचनात्मकता ने मॉडलों को अत्यंत सुग्राह्य एवं ज्ञानवर्धक बना दिया। डॉ. धनंजय मिश्रा अपने निरीक्षण के दौरान मॉडलों का अवलोकन कर विद्यार्थियों की प्रशंसा की। उक्त अवसर पर पीताम्बर साहू, डॉ. प्रीति सोनी, डॉ. सुमित पंत, डॉ. दीपिका त्रिपाठी, रेखा कश्यप , डॉ. सुनिता पटेल , रजनीकांत सोनवानी, देवप्रकाश सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

फसल बीमा योजना के तहत खेतों का निरीक्षण, किसानों से ली गई जानकारी

भाटापारा। ग्राम तरेंगा में फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों की फसलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान ग्राम सेवक बी.एल. प्रजापति एवं किसानों की उपस्थिति में खेतों में जाकर फसल की स्थिति का जायजा लिया गया तथा बाढ़ के पानी में डूबने के कारण फसल बर्बाद जानकारी संकलित की गई। निरीक्षण के दौरान किसान टोपेश्वर साहू, नेहरू साहू, चंदूलाल साहू, अमरू साहू, सोहन साहू, महेंद्र साहू एवं पंकज शर्मा सहित अन्य किसान उपस्थित थे।

‘एग्री-100 राष्ट्रीय सम्मान’ से राजीराम सम्मानित

रायपुर/ छत्तीसगढ़ के बस्तर से निकलकर देश में जैविक एवं टिकाऊ कृषि, कृषि नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और किसान सशक्तीकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे डॉ. राजाराम त्रिपाठी को देश के प्रतिष्ठित ‘एग्री-100 कृषि नेतृत्व सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। उन्हें कृषि के भविष्य को दिशा देने वाले देश के 100 अग्रणी व्यक्तियों एवं संस्थाओं में शामिल किया गया है।यह सम्मान कृषि जागरण तथा मेस्से म्यूनिख इंडिया के साथ स्टेट बैंक ऑफ इंडिया,नाबार्ड आदि के तत्वावधान में आयोजित प्रथम ‘एग्री-100’ सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। समारोह 1 अक्टूबर 2026 को बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र बेंगलुरु में आयोजित हुआ। एग्री-100 का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में नेतृत्व, प्रभाव, नवाचार, योगदान और दीर्घकालिक विरासत के आधार पर उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को राष्ट्रीय पहचान देना है।

डॉ. त्रिपाठी का चयन कृषि क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले उनके दीर्घकालिक कार्यों और किसानों के लिए विकसित किए गए अभिनव एवं प्रकृति-अनुकूल कृषि मॉडलों के लिए किया गया।

छत्तीसगढ़ में काली मिर्च की उन्नत किस्म सहित प्राकृतिक हरितगृह तक नवाचार

डॉ. राजाराम त्रिपाठी ने कर दिखाया। त्रिपाठी दंतेश्वरी हर्बल समूह के संस्थापक तथा अखिल भारतीय किसान महासंघ (आईफा) के राष्ट्रीय संयोजक हैं। बेंगलुरु के सम्मान समारोह में देश भर 100 कृषि नेतृत्व कर्ताओं एवं संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

मिनी मैराथन प्रतियोगिता में भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने विजेताओं को किया सम्मानित

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। नगर में भारत माता सैनिक फिजिकल अकादमी द्वारा आयोजित मिनी मैराथन प्रतियोगिता में सैकड़ों युवाओं, स्कूली बच्चों एवं बच्चियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्य₹ म में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवरतन शर्मा सम्मिलित हुए। शिवरतन शर्मा ने सभी धावकों से ज़ेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया उनका हौसला बढ़ाया और प्रतियोगिता की सफलता हेतु शुभकामनाएं दीं। मैराथन के रोमांचक समापन के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में शिवरतन शर्मा ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार, देकर सम्मानित किया। उन्होंने सभी विजेताओं को बधाई दी तथा इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक बच्चे एवं बच्ची को उनके उज्ज्वल भविष्य, बेहतर स्वास्थ्य और सफल जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर शिवरतन शर्मा ने कहा कि यह केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि अनुशासन, देशभक्ति और फिटनेस के संकल्प की दौड़ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया - हिट इंडिया के मंत्र को युवाओं ने चरितार्थ कर दिया है। शर्मा ने आगे कहा कि युवाओं एवं नागरिकों में स्वस्थ जीवनशैली, फिटनेस और खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में ऐसे आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जब हमारा युवा फिट रहेगा, अनुशासित रहेगा, तभी हमारा भाटापारा, हमारा छत्तीसगढ़ और हमारा भारत विकसित और सशक्त बनेगा। उन्होंने कहा कि भारत माता सैनिक फिजिकल अकादमी जिस प्रकार युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार कर रही है, वह प्रशंसनीय है। यह अकादमी न सिर्फ फिजिकल ट्रेनिंग दे रही है बल्कि युवाओं में राष्ट्र सेवा का जज्बा भी पैदा कर रही है।

एसआईआर : लोकतंत्र की शुचिता और विश्वास की कसौटी

यह भी समझना होगा कि मतदाता सूची में सुधार कोई एक बार होने वाला अभियान नहीं हो सकता। शहरों में तेजी से बढ़ता प्रवास, गांवों से शहरों की ओर पलायन, विवाह के बाद निवास परिवर्तन, युवाओं का 18 वर्ष की आयु पूरी करना, मृत्यु और एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण लगातार होते रहते हैं। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका मतदाता है और मतदाता की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पहचान उसका मताधिकार है। इसलिए मतदाता सूची केवल नामों का प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। जिस व्यक्ति का नाम पात्र होते हुए मतदाता सूची में नहीं है, उसकी लोकतांत्रिक भागीदारी अधूरी रह जाती है और जिस व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी हो, जो स्थानांतरित हो गया हो अथवा जिसका नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हो, उसका नाम सूची में बने रहना चुनाव की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करता है। इसी दृष्टि से मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है। लेकिन इसकी सफलता केवल गलत या अपात्र नाम हटाने से नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सुरक्षित रखने और छूटे हुए मतदाताओं को वापस जोड़ने से तय होगी। निर्वाचन आयोग ने 2026 में एसआईआर की प्रक्रिया को कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक विस्तारित किया है। आयोग के कार्यक्रम में घर-घर जाकर सत्यापन, प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन, दावे और आपत्तियां लेने तथा अंतिम सूची प्रकाशित करने जैसी प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि 27 मई 2026 को सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में किए गए एसआईआर की वैधानिकता को बरकरार रखा और माना कि निर्वाचन आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत ऐसी प्रक्रिया संचालित करने का अधिकार है। न्यायालय ने यह भी माना कि प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की रक्षा से जुड़ा वैध उद्देश्य है।

एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर स्वाभाविक रूप से राजनीतिक और सामाजिक बहस पैदा हुई है। लेकिन बेवजह चुनाव आयोग एवं मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर विवाद खड़े किये जाने की स्थितियां विडम्बनापूर्ण है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों की संयुक्त मतदाता सूची में एसआईआर के बाद 10.2 प्रतिशत की कमी हुई और 66,88,636 मृत मतदाताओं के नाम हटाए गए। इसी प्रक्रिया में आपत्तियों और जांच के बाद 63.16 लाख नाम भी हटाए गए। इन आंकड़ों को केवल एक राजनीतिक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। इनमें एक ओर मृत, स्थानांतरित या दोहराए गए नामों को हटाने की प्रशासनिक आवश्यकता दिखाई देती है, तो दूसरी ओर इतनी बड़ी संख्या में नामों में परिवर्तन यह भी बताता है कि मतदाता सूची को नियमित रूप से अद्यतन करते रहना कितना आवश्यक है। यहीं से इस पूरी प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी सामने आती है। यदि किसी अपात्र व्यक्ति का नाम हटाना लोकतंत्र की शुचिता के लिए जरूरी है, तो किसी पात्र नागरिक का नाम गलती से हट जाना भी उतनी ही गंभीर समस्या है। मतदाता सूची को शुद्ध करने और मतदाता अधिकार को सुरक्षित रखने के बीच संतुलन ही एसआईआर की वास्तविक सफलता है। इस दृष्टि से निर्वाचन आयोग का हालिया विशेष अभियान महत्वपूर्ण है। 2 अक्टूबर 2026 को आयोग ने एसआईआर पूरी कर चुके राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में उन पात्र मतदाताओं को फिर से सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया, जिनके नाम पुनरीक्षण के दौरान छूट गए हों। पहली बार मतदान करने वाले और नए पात्र युवा मतदाताओं के पंजीकरण पर भी जोर दिया गया है। इस अभियान में बूथ स्तर के अधिकारियों को एसआईआर से पहले की मतदाता सूची और वर्तमान सूची का मिलान कर उन लोगों की पहचान करने को कहा गया है जिनके नाम पहले मौजूद थे लेकिन अंतिम सूची में नहीं हैं। इसके बाद घर-घर जाकर सत्यापन और पात्र पाए जाने पर मौके पर ही फॉर्म-6 प्राप्त करने की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक बूथ स्तर अधिकारी के लिए प्रति सप्ताह 20 से 25 मतदाताओं के सत्यापन और लगभग एक महीने में अभियान पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। राजनीतिक दलों के बूथ स्तर एजेंटों के साथ संबंधित सूचियां साझा करने का निर्देश भी पारदर्शिता की दृष्टि से उल्लेखनीय है। यही वह बिंदु है जहां मतदाता सूची के पुनरीक्षण को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे ले जाने की आवश्यकता है। विपक्षी दलों ने एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि इससे पात्र नागरिकों के मताधिकार पर असर पड़ सकता है। दूसरी ओर निर्वाचन आयोग का कहना है कि उसका उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना है। इन दोनों पक्षों के बीच अंतिम निष्कर्ष राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि पारदर्शी आंकड़ों, दस्तावेजी प्रमाण, आपत्ति और अपील की प्रभावी व्यवस्था तथा स्वतंत्र जांच से निकलना चाहिए। किसी राजनीतिक दल के आरोप को स्वतः सत्य मान लेना भी उचित नहीं है और किसी शिकायत को केवल राजनीतिक आरोप कहकर खारिज कर देना भी लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। भारतीय लोकतंत्र में निर्वाचन आयोग की संवैधानिक भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखना उसी जिम्मेदारी का अनिवार्य हिस्सा है। आयोग के डिजिटल पोर्टल पर मतदाता अपना नाम खोज सकते हैं, अंतिम एसआईआर सूची देख सकते हैं, नया पंजीकरण करने के लिए फॉर्म-6 भर सकते हैं, आवेदन की स्थिति देख सकते हैं और शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं। यह व्यवस्था नागरिकों को केवल प्रशासन पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं अपने मतदाता अधिकार की जांच करने का अवसर देती है। लेकिन केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है। भारत की सामाजिक और भौगोलिक विविधता को देखते हुए ऐसे नागरिक भी हैं जिनके पास डिजिटल साधनों की सीमित पहुंच है। गरीब, श्रमिक, प्रवासी, बेघर, वृद्ध, दिव्यांग और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक प्रशासन को स्वयं पहुंचना होगा।

अतिथि संपादक - ललित गर्ग

सेवा संकल्प अभियान 2026 : बस पहुंची तो गांवों में लौटी नई उम्मीद

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से दूरस्थ अंचलों में आसान हुई जिंदगी की राह, 850 गांव पहली बार नियमित बस सेवा से जुड़े

श्री सुनील त्रिपाठी, सहायक संचालक
श्रीमती नूतन सिदार, सहायक संचालक

बस्तर और सरगुजा संभाग के 13 जिलों में 106 मार्गों पर दौड़ रहीं 107 बसें, शिक्षा-स्वास्थ्य से लेकर हाट-बाजार और प्रशासनिक मुख्यालय तक पहुंच हुई आसान

गांव की सड़क पर दूर से आती बस और उसके हॉर्न की आवाज...। बच्चे उत्साह से हाथ हिलाते हैं, ग्रामीणों के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। जिन गांवों के लोगों के लिए कभी बस का आना ही बड़ी बात थी, वहां आज नियमित बस सेवा उनकी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन रही है। यह बदलाव केवल आवागमन आसान होने का नहीं है, बल्कि दूरस्थ गांवों के शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार, रोजगार और प्रशासनिक केंद्रों से जुड़ने का है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर शुरू हुई मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना ने अपने पहले वर्ष में प्रदेश के दूरस्थ अंचलों में सार्वजनिक परिवहन की पहुंच बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। 04 अक्टूबर 2025 को जगदलपुर से शुरू हुई इस योजना के प्रथम चरण में बस्तर और सरगुजा संभाग को शामिल किया गया। आज 13 जिलों के 106 चयनित मार्गों पर 107 बसें संचालित हो रही हैं और 850 ऐसे नए गांवों तक पहली बार नियमित यात्री बस सेवा पहुंची है, जहां पहले यह सुविधा उपलब्ध नहीं थी।

24 लाख किलोमीटर का सफर, हजारों ग्रामीणों की राह हुई आसान

योजना के अंतर्गत संचालित 107 बसों ने एक वर्ष में लगभग 24 लाख किलोमीटर की दूरी तय की है। ये बसें प्रतिदिन करीब 17,500 किलोमीटर का सफर कर रही हैं। इन आंकड़ों के पीछे उन ग्रामीण परिवारों की बदलती जिंदगी है, जिन्हें कभी हाट-बाजार, अस्पताल, स्कूल, तहसील, ब्लॉक या जिला मुख्यालय तक पहुंचने के लिए पैदल चलना पड़ता था अथवा निजी और वैकल्पिक वाहनों पर निर्भर रहना पड़ता था। नियमित बस सेवा मिलने से अब विद्यार्थी समय पर विद्यालय पहुंच पा रहे हैं। ग्रामीणों के लिए अस्पताल और बाजार तक जाना आसान हुआ है। शासकीय कार्यों के लिए ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालय तक पहुंचने में भी सुविधा हुई है। इस तरह बस गांव और शहर के बीच केवल दूरी ही कम नहीं कर रही, बल्कि आवश्यक सेवाओं और अवसरों तक पहुंच को भी आसान बना रही है।

जशपुर की पहाड़ियों में बदलाव की कहानी

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का असर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के गृह जिले जशपुर के दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों में भी दिखाई दे रहा है। जिले में 16 चयनित मार्गों पर 16 बसों का संचालन किया जा रहा है। ऐसे अनेक गांव अब नियमित सार्वजनिक परिवहन से जुड़ रहे हैं, जहां लोगों को पहले आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

बगीचा विकासखंड के सन्ना निवासी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सुनीता निकुंज इस बदलाव को अपने रोजमर्रा के जीवन में महसूस कर रही हैं। पहले उन्हें पास के गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र तक पहुंचने के लिए किसी से लिफ्ट मांगनी पड़ती थी। कई बार निजी वाहन का सहारा लेना पड़ता था और वाहन नहीं मिलने पर पैदल भी जाना पड़ता था। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यह सफर और कठिन हो जाता था। अब ग्रामीण बस सेवा शुरू होने के बाद उनकी राह आसान हुई है। श्रीमती सुनीता कहती हैं, "यह बस मेरे लिए बहुत बढ़िया साधन बन गई है।" उनकी यह छोटी-सी बात बताती है कि दूरस्थ अंचलों में सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता कामकाजी महिलाओं के जीवन में कितना बड़ा बदलाव ला सकती है।

पहले पैदल जाते थे, अब समय पर लौट आते हैं

ग्राम मरंगी निवासी श्री दशरथ भगत भी उन ग्रामीणों में शामिल हैं, जिनकी दिनचर्या बस सेवा शुरू होने से आसान हुई है। वे बताते हैं कि पहले इस सड़क पर बस नहीं चलती थी। आवश्यक कार्य से बाहर जाने के लिए कई बार पैदल सफर करना पड़ता था। अब बस शुरू होने से बगीचा तक आना-जाना सहज हो गया है।

श्री भगत कहते हैं, "अब मुख्यमंत्री जी की पहल से बस शुरू हो गई है। हम आसानी से बगीचा जाते हैं और समय पर वापस भी लौट आते हैं।"

इसी तरह यात्री श्री मंगलराम बताते हैं कि पहले उन्हें छिछली और चंपा जैसे बाजारों तक पैदल जाना पड़ता था। अब बस मिलने से सफर की परेशानी काफी कम हुई है। वे कहते हैं, "अब बस आने से बहुत सुविधा हो गई है। हम सब बहुत खुश हैं।"

ग्रामीणों के ये अनुभव बताते हैं कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का महत्व केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने की सुविधा में नहीं है। यह लोगों का समय बचा रही है और उन्हें अपनी दैनिक जरूरतों के लिए बेहतर परिवहन विकल्प उपलब्ध करा रही है।

सुकमा-बीजापुर के अंदरूनी इलाकों तक भी पहुंची बस

योजना की खासियत यह भी है कि बस सेवा का विस्तार प्रदेश के अत्यंत दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों तक किया गया है। सुकमा एवं बीजापुर जैसे अंदरूनी क्षेत्रों और नियद नेल्लानार के गांवों में भी ग्रामीण बसों का संचालन किया जा रहा है। सुकमा के गोलापल्ली, भेज्जी, किस्ताराम, मिनपा, चिंतलनार, बुरकापाल, चिंतागुफा, कोंटा, पुवर्ती और जगरगुंडा तथा बीजापुर के आवापल्ली, बासागुड़ा, सारकेगुड़ा, पामेड़, भैरमगढ़ और नेलासनार सहित अनेक दुर्गम क्षेत्रों को नियमित सार्वजनिक परिवहन से जोड़ने की पहल की गई है।

चार करोड़ प्रधानमंत्री आवास, कई देशों की आबादी से बड़ा आंकड़ा

आचार्य ललित मुनि

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं लोक संस्कृति के अध्येता हैं

हर किसी व्यक्ति का सपना, अपना घर होता है। जिसमें वह सुख शांति से निवास कर सके। जीवन की पूरी कमाई घर बनाने में निकल जाती है। अधिकांश के पास पक्के घर नहीं होते, ऐसे में प्रधानमंत्री आवास योजना उनके सपनों को साकार कर रही है। किसी सरकारी योजना की सफलता को समझने के लिए आंकड़े महत्वपूर्ण होते हैं, लेकिन कई बार कोई आंकड़ा इतना बड़ा हो जाता है कि उसकी विशालता अपने देश के संदर्भ में तुरंत समझ में नहीं आती। ऐसे में उसे किसी दूसरे देश के पैमाने पर रखकर देखना उपयोगी होता है।

भारत में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पूर्ण हुए आवासों का आंकड़ा आज इसी स्तर पर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 3 अगस्त 2026 तक 3.12 करोड़ आवास पूरे हो चुके थे। इसके कुछ ही दिनों बाद, 9 अगस्त 2026 तक प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी और शहरी 2.0 के अंतर्गत एक करोड़ से अधिक आवास पूरे होकर लाभार्थियों को सौंपे जा चुके थे। दोनों आंकड़ों को जोड़ने पर 4.12 करोड़ से अधिक का आंकड़ा सामने आता है। भारत की 140 करोड़ से अधिक आबादी को देखते हुए चार करोड़ का आंकड़ा पहली नजर में शायद उतना बड़ा न लगे। लेकिन यही संख्या जब दुनिया के दूसरे देशों की आबादी के साथ रखी जाती है तो इसका पैमाना समझ में आता है।

विश्व बैंक के 2025 के आंकड़ों के अनुसार पोलैंड की आबादी लगभग 3.64 करोड़ और ऑस्ट्रेलिया की लगभग 2.76 करोड़ है। अर्थात पूर्ण हुए आवासों की संख्या इन दोनों देशों की पूरी आबादी से अधिक है। कनाडा की आबादी लगभग 4.17 करोड़ है, जो 4.12 करोड़ से अधिक आवासों के आंकड़े के बेहद करीब है। अर्जेंटीना की आबादी लगभग 4.59 करोड़ है, इसलिए उससे आवासों की संख्या अधिक बताना सही नहीं होगा।

यहां एक बात समझना जरूरी है। आवासों की संख्या और किसी देश की आबादी एक जैसी इकाइयां नहीं हैं। एक आवास में एक से अधिक सदस्य रहते हैं। इसलिए 4.12 करोड़ आवासों का अर्थ 4.12 करोड़ लोगों को आवास मिलना नहीं है; लाभान्वित लोगों की संख्या इससे कहीं अधिक है। फिर भी यह तुलना कार्यक्रम के प्रशासनिक और निर्माण संबंधी पैमाने को समझने का एक सरल तरीका है, जिसमें केंद्र, राज्य, स्थानीय संस्थाओं, लाभार्थियों और निर्माण क्षेत्र की बड़ी भूमिका रहती है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की शुरुआत 2016 में हुई थी। इसका उद्देश्य पात्र ग्रामीण परिवारों को बुनियादी सुविधाओं से युक्त पक्का आवास उपलब्ध कराना है। 3 अगस्त 2026 तक कुल 4.18 करोड़ आवासों का लक्ष्य आवंटित था, जिनमें 3.91 करोड़ स्वीकृत और 3.12 करोड़ पूरे हो चुके थे; शेष निर्माणाधीन थे।

ग्रामीण आवास की चुनौतियां अलग हैं दूरदराज के गांवों तक निर्माण सामग्री पहुंचाना, स्थानीय जलवायु के अनुरूप निर्माण करना और डिजाइन तैयार करना। इसमें लाभार्थी स्वयं या अपनी देखरेख में निर्माण करता है, और राज्यों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार डिजाइन व सामग्री के विकल्प देने की व्यवस्था है।

योजना केवल पक्की छत तक सीमित नहीं है। जुलाई 2026 तक 3.08 करोड़ आवासों में शौचालय, 2.43 करोड़ में पानी के कनेक्शन, 3.07 करोड़ में बिजली और 2.90 करोड़ में एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध होने की जानकारी सरकार ने दी। लगभग 1.35 करोड़ लाभार्थी परिवार स्वयं सहायता समूहों से भी जुड़े थे। गरीब ग्रामीण परिवार के लिए पक्का आवास केवल भवन नहीं, वर्षा, गर्मी और सर्दी से सुरक्षा है। वह स्थायित्व देता है और बच्चों के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध करा सकता है। सरकार के अनुसार लगभग 75 प्रतिशत स्वीकृत आवास महिलाओं के नाम या संयुक्त स्वामित्व में हैं, जिससे महिलाओं के संपत्ति स्वामित्व को भी बढ़ावा मिला है।

शहरी भारत की चुनौती अलग है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की शुरुआत 25 जून 2015 को हुई थी। बाद में 1 सितंबर 2024 से शहरी 2.0 शुरू किया गया, जिसके तहत पांच वर्षों में एक करोड़ अतिरिक्त पात्र शहरी परिवारों को किफायती आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य है।

9 अगस्त 2026 को सरकार ने बताया कि 1.25 करोड़ से अधिक आवास स्वीकृत हो चुके हैं और एक करोड़ से अधिक पूरे होकर लाभार्थियों को दिए जा चुके हैं। यह इसलिए महत्वपूर्ण है कि शहरी आवास की समस्या जमीन की उपलब्धता, निर्माण लागत, आय और रोजगार के स्थान से भी जुड़ी है। स्वीकृत आवासों में से एक करोड़ महिलाओं के नाम या महिला मुखिया के नाम अथवा संयुक्त स्वामित्व में आवंटित किए गए।

केवल मकानों की संख्या से कहानी अधूरी रहेगी। आवास का वास्तविक अर्थ तब सामने आता है जब उसके साथ पानी, बिजली, शौचालय, रसोई ईंधन, सड़क, परिवहन, स्कूल, स्वास्थ्य सुविधा और रोजगार तक पहुंच भी जुड़ती है। इसलिए उपलब्धि का महत्व इस बात में भी है कि कितने परिवारों के पास अब अधिक सुरक्षित आवासीय आधार है।

पोलैंड, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा से यह तुलना उस संख्या का पैमाना समझाने के लिए है। यात्रा अभी पूरी नहीं हुई है। जुलाई 2026 में सरकार ने बताया था कि योजना के दूसरे चरण में मार्च 2029 तक अतिरिक्त दो करोड़ ग्रामीण आवासों के निर्माण का प्रावधान है। आगे की चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि पात्र परिवारों तक सहायता पहुंचे, निर्माण समय पर पूरा हो, आवास गुणवत्तापूर्ण हों और आवश्यक बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध हों। अपना पक्का आवास चार दीवारों से कहीं अधिक है। उसमें सुरक्षा है, बच्चों का भविष्य है, परिवार की इज्जत है और संपत्ति का आधार भी है। गांव में यह मौसम से सुरक्षा का माध्यम बन सकता है, तो शहर में किराये और अस्थिर आवासीय जीवन से स्थायित्व की ओर बढ़ने का अवसर।

चार करोड़ से अधिक आवासों का निर्माण इसी बड़े परिवर्तन का संकेत है। लेकिन इस आंकड़े की वास्तविक कहानी उन परिवारों के जीवन में दिखती है जिनके लिए पक्की छत कभी एक सपना थी। अब अगली कसौटी केवल यह नहीं होगी कि कितने आवास बने, बल्कि यह होगी कि इन आवासों ने कितने परिवारों के जीवन को अधिक सुरक्षित, सम्मानजनक और स्थिर बनाया।

जनकल्याणकारी योजनाएं बन रहीं जीवन में बदलाव का माध्यम, अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने पर जोर

जनसेवा से जनकल्याण तक-सुशासन के संकल्प से बदल रही छत्तीसगढ़ की तस्वीर

श्री सुनील त्रिपाठी,
सहायक संचालक जनसंपर्क
श्री विशाल कुमार जायसवाल,
सहायक सूचना अधिकारी

आमजन का जीवन तब आसान होता है, जब शासकीय योजनाएं कागजों और कार्यालयों से निकलकर उनके जीवन का हिस्सा बनती हैं। किसी जरूरतमंद परिवार को पक्की छत मिलती है, किसी महिला के हाथ में अपनी जरूरतों के लिए आर्थिक संबल आता है, किसी किसान के खेत तक सिंचाई पहुंचती है, किसी कुपोषित बच्चे की सेहत सुधरती है और किसी नागरिक की वर्षों से अटकी समस्या का समाधान होता है- तब जनसेवा का वास्तविक अर्थ सामने आता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में जनकल्याणकारी योजनाओं और नागरिक सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सेवा संकल्प अभियान के दौरान सामने आई अनेक कहानियां बताती हैं कि शासन की किसी योजना की सार्थकता केवल उसके प्रावधानों में नहीं, बल्कि उससे नागरिक के जीवन में आए बदलाव में होती है।

विकास का अर्थ केवल बड़ी अधोसंरचनाओं का निर्माण नहीं है। विकास तब व्यापक और समावेशी बनता है, जब गांव, गरीब, किसान, महिला, बच्चा, युवा और दूरस्थ अंचल में रहने वाला परिवार उसका सहभागी बनता है। नागरिक को यह अनुभव हो कि उसकी जरूरत को समझा जा रहा है, उसकी समस्या सुनी जा रही है और उसके समाधान के लिए व्यवस्था उसके साथ खड़ी है- यही सुशासन की बुनियाद है।

सेवा संकल्प अभियान के दौरान सरगुजा सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से सामने आई बदलाव की कहानियां इसी सोच को अभिव्यक्त करती हैं। सुरक्षित आवास से लेकर डिजिटल सेवाओं तक, महिला सशक्तिकरण से लेकर बच्चों के सुपोषण तक और खेती से लेकर पशुपालन आधारित आजीविका तक जनकल्याण की अलग-अलग धाराएं मिलकर बेहतर जीवन की नई तस्वीर बना रही हैं।

कच्ची दीवारों से पक्के सपनों तक–आवास ने दिया सुरक्षा और सम्मान

अपना पक्का घर किसी परिवार के लिए केवल ईंट, सीमेंट और छत का निर्माण नहीं होता। यह सुरक्षा, सम्मान और भविष्य के प्रति स्थायित्व का भरोसा होता है। विशेष रूप से दूरस्थ और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए पक्का आवास जीवन की कई कठिनाइयों से एक साथ राहत लेकर आता है। सरगुजा के पहाड़ी कोरवा परिवारों तक पीएम जनमन के माध्यम से आवास की सुविधा पहुंचने से इसी बदलाव की तस्वीर सामने आई है। मोहन राम जैसे परिवार लंबे समय तक कच्चे मकान में बारिश के दौरान टपकती छत और परिवार की सुरक्षा की चिंता के बीच जीवन बिताते रहे। पक्का आवास मिलने के बाद उनके जीवन में सुरक्षा का नया भरोसा जुड़ा है।

मोटू राम के लिए पक्का घर बार-बार होने वाली लिपाई-पुताई और मरम्मत की परेशानी से राहत लेकर आया। उदयपुर क्षेत्र के हुडकू राम, बिरझु, रतन साय और छन्दू जैसे परिवारों के गृह प्रवेश की खुशी बताती है कि आवास किसी योजना की केवल भौतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि परिवार के जीवन में प्रत्यक्ष बदलाव है।

पक्की छत बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण, महिलाओं को सुरक्षित स्थान और पूरे परिवार को मौसम की कठिन परिस्थितियों से बचाव देती है। इस तरह एक आवास परिवार के जीवन में सुरक्षा के साथ सम्मान और बेहतर भविष्य की उम्मीद भी जोड़ता है।

सेवा के लिए कार्यालय नहीं, नागरिक के करीब पहुंच रहा शासन

सुशासन की दिशा में तकनीक शासन और नागरिक के बीच की दूरी कम करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। 'सेवा सेतु' के जरिए विभिन्न शासकीय सेवाओं को एक डिजिटल मंच पर लाकर नागरिकों तक उनकी पहुंच आसान बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

ऑनलाइन आवेदन, आवेदन की स्थिति जानने की सुविधा, डिजिटल प्रमाण पत्र, क्यूआर आधारित सत्यापन और डिजिटल माध्यम से सूचना जैसी व्यवस्थाएं नागरिकों के लिए सेवा प्रक्रिया को अधिक सरल और पारदर्शी बनाने में सहायक हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में इन सेवाओं की पहुंच बढ़ने से लोगों को छोटी-छोटी जरूरतों के लिए बार-बार कार्यालयों तक जाने की आवश्यकता कम हो रही है।

अम्बिकापुर की डॉली गंधर का अनुभव इसकी उपयोगिता को सामने लाता है। आधार कार्ड में नाम संबंधी त्रुटि के कारण उनका बैंक खाता खुलवाने और छात्रवृत्ति से जुड़ी प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही थी। सेवा सेतु के माध्यम से समस्या का निराकरण होने के बाद उनके लिए आगे की प्रक्रिया आसान हुई।

इसी तरह सीएम हेल्पलाइन 1076 नागरिकों को अपनी समस्या शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का माध्यम दे रही है। सरगुजा की छात्रा आराधना सिंह के आधार कार्ड में जन्मतिथि सुधार से जुड़ी समस्या का समाधान होने से उनकी उच्च शिक्षा से संबंधित आगे की प्रक्रिया सुगम हुई।

इन उदाहरणों में समस्या भले ही किसी एक दस्तावेज से जुड़ी हो, लेकिन उसका समाधान नागरिक के लिए शिक्षा, बैंकिंग और अन्य अवसरों का रास्ता खोल सकता है। यही डिजिटल सुशासन की सार्थकता है- तकनीक नागरिक के लिए प्रक्रिया को कठिन बनाने के बजाय समाधान तक पहुंच आसान करे।

महतारी वंदन से महिला के हाथ में आर्थिक संबल

महिला सशक्तिकरण परिवार और समाज के समग्र विकास का महत्वपूर्ण आधार है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को प्रतिमाह मिलने वाली आर्थिक सहायता उनकी व्यक्तिगत और पारिवारिक जरूरतों में सहयोग का माध्यम बन रही है।

बच्चों की शैक्षणिक सामग्री हो, पोषण की जरूरत हो, घर की आवश्यक वस्तुएं हों अथवा छोटे स्वरोजगार के लिए जरूरी सामग्री- महिलाएं अपनी परिस्थितियों और प्राथमिकताओं के अनुसार इस राशि का उपयोग कर रही हैं।

सरगुजा की राखी की कहानी इसका संवेदनशील उदाहरण है। पति के निधन के बाद दो छोटे बच्चों की जिम्मेदारी संभाल रहीं राखी खेती के साथ सिलाई का काम भी करती हैं। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली सहायता का उपयोग वे बच्चों के पोषण और सिलाई सामग्री के लिए करती हैं। यहां आर्थिक सहायता का महत्व केवल उसकी राशि में नहीं, बल्कि उस भरोसे में भी है जो महिला को परिवार की जरूरतों के लिए स्वयं निर्णय लेने का अवसर देता है। आर्थिक निर्णय की यही छोटी-छोटी स्वतंत्रताएं महिला के आत्मविश्वास को मजबूत करती हैं।

बिहान से आत्मनिर्भरता, मेहनत से 'लखपति दीदी' की पहचान

आर्थिक सहायता से आगे बढ़कर महिलाओं को स्थायी आजीविका से जोड़ने में स्व-सहायता समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के माध्यम से महिलाएं बचत, ऋण, प्रशिक्षण और विभिन्न आयमूलक गतिविधियों से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं।

अम्बिकापुर की कल्पना सिंह ने समूह के माध्यम से ऋण लेकर खीरे की खेती शुरू की और इसके साथ बैंगन, टमाटर, तरबूज सहित विभिन्न फसलों के उत्पादन को आगे बढ़ाया। इस सफर ने केवल उनकी आय के अवसर नहीं बढ़ाए, बल्कि बैंक, बाजार और कृषि संबंधी गतिविधियों को स्वयं संभालने का आत्मविश्वास भी दिया। उदयपुर की मति बाई ने स्व-सहायता समूह से जुड़कर मुर्गी पालन को व्यवसाय बनाया। कभी मजदूरी और छोटे-मोटे कामों पर निर्भर परिवार के लिए आज मुर्गी पालन आय का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। सरगुजा में 'छेरी बैंक' जैसे नवाचार भी महिलाओं को पशुपालन आधारित आजीविका से जोड़ रहे हैं। ऐसी पहलों का मूल उद्देश्य महिलाओं को संसाधन देकर उन्हें आय अर्जित करने और आगे बढ़ने का अवसर उपलब्ध कराना है। 'लखपति दीदी' केवल आय का आंकड़ा नहीं, बल्कि निर्भरता से आत्मनिर्भरता और संकोच से आत्मविश्वास तक पहुंचने की यात्रा का प्रतीक बन रही है। जनकल्याण का सबसे संवेदनशील चेहरा बच्चों के स्वास्थ्य में दिखाई देता है। शासकीय रघुनाथ जिला चिकित्सालय, अम्बिकापुर में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के उपचार और पोषण पुनर्वास के माध्यम से उन्हें स्वस्थ वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है।

रंग संगीत - चैप्टर 6 का सफल आयोजन

साहित्य-संगीत और लोककला के रंगों से सजी महफ़िल

रायपुर। संस्कृति विभाग - छत्तीसगढ़ शासन के विशेष सहयोग से प्रदेश की प्रतिष्ठित सांस्कृतिक व साहित्यिक संस्था श्री साईंनाथ फाउंडेशन द्वारा राजधानी रायपुर में रंग संगीत - चैप्टर 6 का सफल आयोजन किया गया। साहित्य व संगीत के विविध रंगों से सजी यह सांस्कृतिक महफ़िल शाम 5:00 बजे से शुरू होकर देर रात 12 बजे तक चली। आयोजन में प्रदेशभर से आए कलाकारों और साहित्यकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, राज्य केश शिल्पी बोर्ड के अध्यक्ष गौरीशंकर श्रीवास, संस्कृति व राजभाषा विभाग - छत्तीसगढ़ शासन के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे तथा छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ साहित्यकार मीर अली मीर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

भाषा और लोक संस्कृति के रंग में रंगे श्रोतागण, रंग संगीत का सफ़ल आयोजन

हुनर के मंच' पर प्रदेशभर के कलाकारों ने बिखेरा हुनर

कार्यक्रम के प्रथम सत्र 'हुनर के मंच' में प्रदेश के विभिन्न स्थानों से पहुंचे युवा कलाकारों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कविता, संगीत और विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से युवा कलाकारों ने अपनी कला का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए दर्शकों की खूब सराहना बटोरी।

निलेश जोगी और टीम की लोकगायन प्रस्तुति ने बांधा समां

कार्यक्रम के अगले चरण में जांजगीर से आएं सुप्रसिद्ध युवा लोक गायक निलेश जोगी और उनकी टीम ने लोकसंगीत की शानदार प्रस्तुतियां दीं। उनकी गायकी और संगीत ने ऐसा माहौल बनाया कि श्रोता झूमने पर मजबूर हो गए। लोकधुनों और पारंपरिक रंगों से सजी इस प्रस्तुति ने आयोजन को एक अलग ही सांस्कृतिक ऊंचाई प्रदान की।

कलाकारों का सम्मान, अतिथियों ने किया प्रोत्साहित

कार्यक्रम के अंतिम सत्र में गणमान्य अतिथियों द्वारा आयोजन में शामिल कलाकारों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर अतिथियों और संस्था के संस्थापक आशीष राज सिंघानिया ने अपने उद्बोधन के माध्यम से कलाकारों एवं साहित्यकारों का उत्साहवर्धन किया। छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने सभी कलाकारों और साहित्यकारों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि सभी बहुत अच्छा लिख और प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने कलाकारों को अपनी अलग पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि अलग धुन, अलग तरन्नुम और प्रस्तुति के अपने विशिष्ट अंदाज के माध्यम से कलाकार स्वयं को भीड़ से अलग स्थापित कर सकते हैं और कई सितारों के बीच ध्रुव तारे की तरह चमक सकते हैं।अन्य आमंत्रित अतिथियों ने भी आयोजन की सराहना करते हुए साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में ऐसे मंचों की आवश्यकता पर जोर दिया तथा कलाकारों को निरंतर सृजन और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया।

आभार के साथ हुआ आयोजन का समापन

सभी अतिथियों एवं कलाकारों के उद्बोधन के बाद श्री साईंनाथ फाउंडेशन की सदस्या आँचल पाण्डेय ने सभी अतिथियों, कलाकारों, साहित्यकारों, सहयोगियों और उपस्थित दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने 'रंग संगीत - चैप्टर 6' के सफल समापन की घोषणा की।

पूरे कार्यक्रम का विभिन्न सत्रों में सफल संचालन हर्षराज हर्ष, भावेश देशमुख व अभिषेक पाण्डेय ने किया। साहित्य, संगीत, कला और लोक संस्कृति को एक साझा मंच पर लाने वाला 'रंग संगीत - चैप्टर 6' कलाकारों और कला-साहित्य प्रेमियों के लिए एक यादगार सांस्कृतिक संध्या बनकर सामने आया।

'गीत त्रिवेणी' में हिंदी, उर्दू और छत्तीसगढ़ी गीतों का संगम

द्वितीय सत्र के अंतर्गत 'गीत त्रिवेणी' सत्र में अलग-अलग भाषाओं और सांस्कृतिक भावभूमियों का सुंदर संगम देखने को मिला। गोपालगंज - बिहार से आईं लोकप्रिय कवयित्री सान्या राय ने अपने गीतों से श्रोताओं का मन मोह लिया, वहीं सीतामढ़ी के सुप्रसिद्ध शायर मुरारी मंडल ने अपनी ग़ज़लों से महफ़िल में समां बांध दिया। छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय गीतकार मिनेश कुमार ने लोक गीतों की प्रस्तुति देकर प्रदेश की मीठी बोली की मिठास से श्रोताओं को रूबरू कराया।

एक नजर

ग्राम कड़ार में मितानिन दीदीयों का सम्मान किया गया

भाटापारा। ग्राम कड़ार में महिला एवं बाल विकास द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहायिकाओं और मितानिन दीदीयों का सम्मान किया गया। उपरोक्त अवसर पर जिला पंचायत सभापति राजा जायसवाल ने उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की डबल इंजन सरकार गांव की आखिरी महिला और बच्चों तक पोषण स्वास्थ्य और सम्मान पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उक्त मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

गर्भवती महिला को दी गई सहायता राशि

भाटापारा। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना एवं गर्भवती महिलाओं तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण को बेहतर बनाने की दिशा में शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत सहायता दी जा रही है। इसी कड़ी में ग्राम खोखली के एक हितग्राही ज्योति मिरी को 5 हजार रूपयें की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई। उक्त राशि से महिला को गर्भावस्था के दौरान पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतो को पुरा करने में मदद मिल रही है।

सरस्वती शिशु मंदिर में सेवा संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम हुआ

भाटापारा। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया । उक्त अवसर पर उपस्थिति युवाओं से युवा भाजपा नेता अविनाश शर्मा ने रूबरू चर्चा कर अपने सपनो को लक्ष्य में बदलने राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबुत करने के लिए आव्हान किया । उपरोक्त अवसर पर आनंद यादव , पवन वर्मा, ज़ेला वर्मा, पियुष साहू, महाबल बघेल, मनेनंदर सिंग गुंबर, आशीष जायसवाल सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग मौजुद थे।

कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट में विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया गया

भाटापारा। कमलकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना विषय पर ग्राम तरेंगा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र छात्राओं द्वारा रैली, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, प्रस्तुत किया गया। उपरोक्त अवसर पर मनीष शुक्ला , गायत्री देवांगन एवं बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे।

जिला जेल में 240 बंदियों की हुई आयु एवं संरक्षण संबंधी जांच

जेल निरीक्षण समिति ने 8 बैरकों का किया निरीक्षण

ब्यूरोचीफ नरेन्द्र कुमार सेन

गरियाबंद / माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में जेलों में निरुद्ध बंदियों की आयु के सत्यापन तथा बच्चों से संबंधित संरक्षण की स्थिति की जांच के उद्देश्य से 29 सितंबर 2026 को जिला जेल गरियाबंद का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री वरुण नागेश के निर्देश एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री अनिल द्विवेदी के मार्गदर्शन में गठित जेल निरीक्षण समिति ने जिला जेल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान समिति ने जिला जेल की 8 बैरकों का निरीक्षण किया तथा प्रत्येक बंदी से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी वास्तविक आयु एवं अन्य आवश्यक जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के समय जेल में कुल 240 बंदियों से संबंधित स्थिति सामने आई, जिसमें 228 बंदी जेल में निरुद्ध पाए गए, जबकि 12 बंदी अपने प्रकरणों की अग्रिम कार्रवाई के लिए न्यायालय गए हुए थे। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना रहा कि आयु निर्धारण में किसी प्रकार की प्रि यागत त्रुटि या संदेह के कारण कोई बालक जेल में निरुद्ध न रह जाए। समिति द्वारा बंदियों से उनकी जन्मतिथि एवं आयु से संबंधित जानकारी लेकर आवश्यक तथ्यों का परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एक बंदी ने समिति को बताया कि उसकी उम्र 18 वर्ष से कम प्रतीत होती है। समिति ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित बंदी की जन्मतिथि एवं आयु के सत्यापन के लिए आवश्यक अग्रिम कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया। आयु सत्यापन के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसी तरह दो बंदियों ने बताया कि उनके जेल में निरुद्ध रहने के कारण उनके बच्चों की घर पर देखरेख एवं संरक्षण करने वाला कोई वैध संरक्षक उपलब्ध नहीं है। निरीक्षण समिति ने इन मामलों में भी बच्चों के संरक्षण एवं आवश्यक सहायता के लिए आगे की कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। जेल निरीक्षण के दौरान समिति ने इस बात पर विशेष ध्यान दिया कि किसी भी संभावित बालक को आयु संबंधी संदेह अथवा प्रक्रियागत त्रुटि के कारण जेल में निरुद्ध न रखा जाए। साथ ही जेल में निरुद्ध ऐसे बंदियों के बच्चों की स्थिति की जानकारी भी ली गई, जिनके परिवार में उनकी देखरेख के लिए कोई वैध संरक्षक उपलब्ध नहीं है। यह निरीक्षण मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत बाल संरक्षण व्यवस्था को मजबूत करने और बाल अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में किया गया। जेल निरीक्षण समिति में बाल कल्याण समिति की सदस्य श्रीमती ताकेश्वरी साहू, किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य श्रीमती केमेश्वरी साहू, अधिवक्ता जिला न्यायालय हेमराज दाऊ, सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री लता नेताम (लोक आस्था) तथा विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी शरद चंद्र निषाद शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान जिला जेल अधीक्षक टामन साहू, सहायक जेल अधीक्षक रवि भुआर्य, सालिक राम निषाद एवं श्री बालिक राम साहू सहित पैरालीगल वालेंटियर ने आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

अश्वनी शर्मा ने दान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

भाटापारा। पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने आगामी 09 अक्टुबर तक आयोजित होने वाले दान उत्सव रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उक्त अवसर पर उन्होंने कहा कि दान उत्सव रथ के माध्यम से नगर वासियों को सेवा सहयोग और सद्भावना से जोड़ते हुए जरूरत मंद परिवारों को आवश्यक सामग्री एवं सहयोग पहुंचाया जायेगा। उक्त अभियान का उद्देश्य केवल दान एकत्र करना नही है। बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग में जिम्मेदारी और योगदान की भावना को जागृत करना भी है। इस पहल के माध्यम से नागरिक अपनी सामर्थ के अनुसार उपयोगी सामग्री एवं आवश्यक सहयोग देकर जरूरतमंदो की सहायता कर सक ते है। शर्मा ने आगे कहा कि दान उत्सव का वास्तविक उद्देश्य समाज में देने की संस्कृति और सहयोग की भावना को मजबुत करना है। उन्होंने उम्मीद प्रकट करते हुए कहा है कि दान उत्सव में सभी नागरिक बढ़ चढ़कर अपना योगदान देकर जरूरतमंदो को सहायता पहुंचायेंगे । उपरोक्त अवसर पर दिलीप छाबड़िया , मनीष मिश्रा, नंद किशोर वैष्णव , प्रकाश ठाकुर, धनेश माधवानी , राजेश साहू, ठाकुर राम साहू सहित मिशन क्लीन सिटी की महिला व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

सोशल मिडिया पर चाकू लहराना महंगा पड़ा युवक को, पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा

भाटापारा। पुलिस प्रशासन द्वारा असामाजिक गतिविधियों में लिप्त लोगो के विरूद्ध चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान में पुलिस ने सोशल मिडिया पर धारदार चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाले युवक को पकड़ा है। बताया जाता है कि सोशल मिडिया पर ग्राम धनेली मेन गेट के पास एक युवक हाथ में धारदार चाकू लेकर उस रास्ते से आने जाने वाले राहगीरों को चाकू दिखाकर डरा धमका रहा था। इस संबंध में युवक ने पूर्व में धारदार चाकू के साथ धमकी भरा अपना फोटो सोशल मिडिया में अपलोड कर आम नागरिको के बीच दहशत फैलाने का प्रयास किया था । उक्त लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम ने ग्राम धनेली के स्वागत द्वार के पास घेराबंदी करते हुए चाकू लहराने वाले युवक लोकनाथ वर्मा को पकड़ा है। उसके कब्जे से एक नग स्टील का चाकू जब्त किया गया है। युवक लोकनाथ वर्मा ग्राम धनेली का ही मूल निवासी है। उसके विरूद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

शारदीय नवरात्रि में श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन

11 अक्टूबर से शुरू होगी कथा, 18 अक्टूबर को शिव गीता प्रवचन, सहस्त्रनाम व सहस्त्रधारा सहित विविध आयोजन

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। परम पवित्र एवं पुनीत शारदीय नवरात्रि की मंगल बेला में भगवती शीतला प्रांगण में समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से श्री शिव महापुराण कथा अमृत महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथा का रसपान कथा व्यास, वेद विभूषण, भागवत अलंकार पंडित मोहन नारायण शास्त्री जी के मुखारविंद से कराया जाएगा। वे अनंत श्री विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य ज्योतिष पीठाधीश्वर स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज के कृपापात्र शिष्य हैं तथा श्यामपुर कांपा से पधार रहे हैं।

ग्राम आचार्य पंडित कुलदीप जोशी ने बताया कि श्री शिव महापुराण कथा अमृत महोत्सव का आयोजन विश्व कल्याण, गोसंवर्धन एवं गोरक्षार्थ की मंगल कामना से किया जा रहा है। 11 अक्टूबर को कलश यात्रा एवं पंचांग पूजन के साथ कथा का शुभारंभ होगा। 17 अक्टूबर को कथा विश्राम एवं कथा चढ़ौती होगी। वहीं 18 अक्टूबर को शिव गीता प्रवचन, शिव सहस्त्रनाम के साथ बिल्व पत्र वर्षा, सहस्त्रधारा स्नान, हवन एवं भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि शारदीय नवरात्रि में इस वर्ष भगवती देवी का आगमन हाथी पर सवार होकर हो रहा है, जिसे धन-धान्य एवं अच्छी वर्षा का शुभ संकेत माना जाता है। वहीं देवी का प्रस्थान घोड़े पर सवार होकर होगा, जो साहस, तेज एवं धैर्य का प्रतीक माना गया है।

आयोजन के तहत 11 अक्टूबर रविवार को ज्योति कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 11 बजकर 36 मिनट से दोपहर 12 बजकर 24 मिनट तक रहेगा। 15 अक्टूबर गुरुवार को श्री पंचमी व्रत, 18 अक्टूबर रविवार को महा सप्तमी व्रत, 19 अक्टूबर सोमवार को मां दुर्गा महा अष्टमी व्रत तथा 20 अक्टूबर मंगलवार को श्री विजयदशमी दशहरा के अवसर पर अपराजिता एवं शमी पूजन, शस्त्र पूजन, नीलकंठ दर्शन, सीमा उल्लंघन एवं नवरात्रि पारणा सहित धार्मिक कार्यर्₹ म होंगे।

श्री शिव महापुराण कथा को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। ग्रामीणजन कथा श्रवण को लेकर उत्सुक हैं तथा आयोजन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

मां दुर्गा नवयुवक दुर्गा समिति के अध्यक्ष दुष्यंत राजपूत ने क्षेत्रवासियों एवं ग्रामवासियों से आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कथा स्थल पर नशामुक्त वातावरण बनाए रखने के साथ शुद्ध सात्विक आहार-विहार एवं भारतीय वस्त्र-परिधान में ही श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जाएगा।

साजा मंडल की मासिक बैठक में सेवा ज्योति यात्रा की तैयारियों पर चर्चा

थान खम्हरिया। साजा मंडल की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मंडल प्रभारी नमिता सिन्हा ने कार्यकर्ताओं को आगामी 7 अक्टूबर को आयोजित होने वाली सेवा ज्योति यात्रा के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

मंडल प्रभारी नमिता सिन्हा ने बताया कि 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उस दिन सेवा, विकास और राष्ट्रभक्ति की एक ज्योति प्रज्वलित हुई थी, जो आज पूरे भारत को रोशन कर रही है। इसी भाव को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पार्टी द्वारा 7 अक्टूबर को सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि सेवा ज्योति यात्रा के तहत सभी मंडलों से कार्यकर्ताओं द्वारा कलश यात्रा निकाली जाएगी तथा कार्यकर्ता बेमेतरा में आयोजित कार्यर्₹ म में शामिल होंगे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सर्₹ य सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

बैठक में मंडल अध्यक्ष बुलाक साहू, मंडल के दोनों महामंत्री, उपाध्यक्ष, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष इंद्राणी सिन्हा, जिला मंत्री सरोजिनी यादव, राजेश्वरी भुवाल, ज्वाला सिंह राजपूत, जिला उपाध्यक्ष बल्लू साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के कुशल मार्गदर्शन में "हर गांव-हर घर साइबर जागरूक" का संदेश पहुंचा जन-जन तक

प्रदेशव्यापी 'साइबर जागृति अभियान' में जिला मुंगेली का उत्कृष्ट प्रदर्शन—छत्तीसगढ़ के 34 जिलों में मुंगेली ने हासिल किया 5वां स्थान

ब्यूरो चीफ मनिंदर सिंह गुंबर

मुंगेली। आज के डिजिटल युग में मोबाइल और इंटरनेट जहां आमजन की दिनचर्या को सुगम बना रहे हैं, वहीं साइबर अपराध के नए-नए तौर-तरीके भी चुनौती बन रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए गए राज्यव्यापी "साइबर जागृति अभियान" के अंतर्गत जिला मुंगेली में 15 अगस्त से 02 अक्टूबर 2026 तक सात सप्ताह का सघन एवं व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया गया।

पूरे प्रदेश के 34 जिलों में मुंगेली ने हासिल किया 5वां स्थान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री भोजराम पटेल (भा.पु.से.) के कुशल नेतृत्व व जिले की पुलिस टीम के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप मुंगेली जिले ने पूरे प्रदेश में अपनी मजबूत छाप छोड़ी है। छत्तीसगढ़ के सभी 34 जिलों में चलाए गए इस महाअभियान में जिला मुंगेली ने जागरूकता कार्य₹ मों के सफल क्रियान्वयन एवं जन-सहभागिता के आधार पर पूरे प्रदेश में 5वां स्थान प्राप्त किया है।

एसएसपी श्री भोजराम पटेल के मार्गदर्शन में मुंगेली पुलिस द्वारा साइबर सुरक्षा को केवल किसी एक वर्ग तक सीमित न रखकर बच्चों, विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, किसानों, व्यापारियों, श्रमिकों, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों तक पहुंचाया गया।

अभियान का मुख्य उद्देश्य साइबर अपराध घटित होने के बाद की कार्रवाई के साथ-साथ, अपराध होने से पूर्व ही नागरिकों को सतर्क और सुरक्षित बनाना रहा। पुलिस टीमों ने प्रत्यक्ष संवाद, जनचौपाल, शैक्षणिक संस्थानों, बैंकिंग व वित्तीय संस्थानों, ग्राम पंचायतों तथा सार्वजनिक स्थलों पर जाकर आमजन को आवश्यक डिजिटल सावधानियों से अवगत कराया।

सात सप्ताह में अलग-अलग साइबर खतरों पर केंद्रित रहा अभियान

प्रथम सप्ताह - डिजिटल सुरक्षा की बुनियाद - स्कूल एवं कॉलेजों में 20 कार्यक्रम आयोजित कर 1,420 विद्यार्थियों एवं नागरिकों को अनजान लिंक, संदिग्ध एप, कमजोर पासवर्ड, ओटीपी व पासवर्ड की गोपनीयता तथा सुरक्षित सोशल मीडिया उपयोग के संबंध में जागरूक किया गया।

द्वितीय सप्ताह - ऑनलाइन बैंकिंग एवं वित्तीय ठगी से बचाव

बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों में 06 कार्यक्रमों के माध्यम से 2,138 लोगों को UPI फ्रॉड, फर्जी बैंक अधिकारी, त्तर कोड स्कैनिंग, OTP तथा वित्तीय जानकारी साझा करने के खतरों से आगाह किया गया।

तृतीय सप्ताह- डिजिटल अरेस्ट के खिलाफ जागरूकता-

'डिजिटल अरेस्ट' एवं फर्जी कॉल्स जैसे नए व गंभीर साइबर अपराधों को लेकर विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। इस दौरान 91 कार्यक्रमों में 23,027 नागरिकों को फर्जी पुलिस, CBI अथवा ED अधिकारी बनकर की जाने वाली ठगी, वीडियो कॉल व फर्जी अरेस्ट वारंट/नोटिस से सावधान रहने की जानकारी दी गई।

चतुर्थ सप्ताह- मोबाइल एवं सोशल मीडिया सुरक्षा-

स्मार्टफोन प्राइवेसी, फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल, साइबर बुलिंग/उत्पीड़न तथा निजी तस्वीरों व व्यक्तिगत डेटा के दुरुपयोग से बचाव हेतु 6,985 कार्य₹ म आयोजित कर 3,24,240 लोगों को जागरूक किया गया।

पंचम सप्ताह -युवाओं को जॉब फ्रॉड से बचाने पर जोर

युवा वर्ग को फर्जी वर्क-फॉम-होम, फर्जी भर्ती विज्ञापनों एवं फिशिंग लिंक से होने वाली ठगी से बचाने हेतु 4,612 कार्यक्रमों के जरिए 2,36,455 लोगों को जागरूक किया गया। पुलिस द्वारा किसी भी नौकरी के लिए अग्रिम राशि जमा न करने और कंपनी का सत्यापन करने की सलाह दी गई।

> 07 सप्ताह के अभियान में 36,577 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित; 18,32,013 नागरिकों तक पहुंचा साइबर सुरक्षा का संदेश।
>
> साइबर जागृति अभियान से जिला मुंगेली में स्थापित हुई डिजिटल सुरक्षा की मजबूत नींव।
>
> स्कूल-कॉलेज, ग्राम पंचायत, बैंक, हाट-बाजार, शासकीय संस्थान एवं सामाजिक संगठनों में पुलिस ने सीधे पहुंचकर दी साइबर अपराध से बचाव की जानकारी।

छठवां सप्ताह - व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा-

व्यक्तिगत फोटो, संवेदनशील दस्तावेज, लोकेशन आदि की सुरक्षा को लेकर 8,033 कार्यक्रम आयोजित कर 4,02,825 नागरिकों को जागरूक किया गया। इस दौरान गांव-गांव चौपाल लगाकर साइबर सुरक्षा की शपथ भी दिलाई गई।

सातवां सप्ताह - साइबर मुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प-

गांधी जयंती के पावन अवसर पर ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में "साइबर मुक्त छत्तीसगढ़" के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाया गया। अंतिम सप्ताह में रिकॉर्ड 16,830 कार्य₹ मों के माध्यम से 8,41,908 लोगों को साइबर अपराध के प्रति सतर्क रहने तथा समाज को जागरूक करने का संकल्प दिलाया गया।

36,577 कार्यक्रमों के जरिए 18,32,013 लोगों से सीधा संवाद

सात सप्ताह की अवधि में मुंगेली पुलिस द्वारा कुल 36,577 साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसके जरिए 18,32,013 लोगों तक साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाया गया। यह अभियान केवल औपचारिक आयोजनों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि थाना, चौकी और बीट स्तर की टीमों ने घर-घर और गांव-गांव पहुंचकर लोगों को सुरक्षा के उपाय समझाए।

"हर गांव-हर घर साइबर जागरूक" अभियान में बीट पुलिस की सराहनीय भूमिका

मुंगेली पुलिस ने बीट प्रणाली को इस अभियान की मुख्य धुरी बनाया। बीट प्रभारियों एवं जवानों ने सीधे ग्रामीणों से संपर्क स्थापित किया। वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल अरेस्ट से बचाव, महिलाओं को सोशल मीडिया प्राइवेसी, युवाओं को जॉब फ्रॉड तथा आम नागरिकों को बैंकिंग व यूपीआई फ्रॉड से बचने की बुनियादी बातें समझाई गईं। साथ ही किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ OTP, PIN या पासवर्ड साझा न करने की हिदायत दी गई।

साइबर ठगी होने पर समय (Golden Hour) अत्यंत महत्वपूर्ण

पुलिस ने आमजन से अपील की कि यदि किसी के साथ ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी हो जाती है, तो घबराने के बजाय तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें अथवा cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं। घटना के तुरंत बाद (गोल्डन ऑवर में) सूचना देने से ठगी की गई राशि को बैंक खातों में होल्ड/फ्रीज कराने की संभावना सर्वाधिक रहती है।

एसएसपी श्री भोजराम पटेल का संदेश - "जागरूकता ही साइबर सुरक्षा का सबसे बड़ा हथियार"

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री भोजराम पटेल (भा.पु.से.) ने मुंगेली जिले द्वारा प्रदेश में 5वां स्थान प्राप्त करने पर पूरी पुलिस टीम एवं जिलेवासियों की सहभागिता की सराहना की। उन्होंने कहा "डिजिटल तकनीक के इस युग में थोड़ी-सी सावधानी बड़ी आर्थिक और मानसिक क्षति से बचा सकती है। अभियान की समाप्ति के बाद भी यह सतर्कता निरंतर बनी रहनी चाहिए। सभी नागरिक स्वयं सतर्क रहें, परिवार को सुरक्षित रखें और किसी भी संदेहास्पद कॉल, लिंक या प्रलोभन पर बिना पुष्टि के विश्वास न करें। साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल 1930 पर संपर्क करें।"

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बहेरा के 52 विद्यार्थियों ने 28वीं युवा संसद प्रतियोगिता में लिया भाग

नर्मदापुरम में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने संसदीय लोकतंत्र एवं संवैधानिक मूल्यों का जाना महत्व

बेमेतरा। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बहेरा, जिला बेमेतरा के 52 छात्र-छात्राओं एवं 4 संरक्षकों की टीम ने 1 अक्टूबर 2026 को पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय पवारखेड़ा, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) में आयोजित 28वीं युवा संसद प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में संसदीय लोकतंत्र, संवैधानिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता, तर्कपूर्ण अभिव्यक्ति तथा समसामयिक विषयों के प्रति समझ विकसित करना रहा।

कार्य₹ म की शुरुआत नवनिर्वाचित छात्र सांसदों को हिंदी, अंग्रेजी एवं गुजराती भाषाओं में शपथ दिलाकर की गई। इसके पश्चात सदन के अध्यक्ष (स्पीकर) ने सदन की कार्यवाही प्रारंभ कराई। युवा संसद के माध्यम से विद्यार्थियों ने संसदीय कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक प्रि याओं तथा सदन में विचार-विमर्श और तर्कपूर्ण संवाद की प्रि या को नजदीक से समझा।

कार्य₹ म के मुख्य अतिथि होशंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी रहे। उल्लेखनीय है कि श्री चौधरी स्वयं वर्ष 1986 से 1993 तक नवोदय विद्यालय नर्मदापुरम के विद्यार्थी रह चुके हैं। नवोदय विद्यालय के पूर्व छात्र के रूप में उनकी उपस्थिति विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रेरणादायक रही।

कार्य₹ म का संयोजन नवोदय विद्यालय भोपाल संभाग के सहायक आयुक्त श्री त्रिपाठी के नेतृत्व में किया गया। वहीं, विद्यालय के वरिष्ठतम शिक्षक श्री यादव के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में सहभागिता की। पूरी टीम ने कार्य₹ म के दौरान संसदीय व्यवस्था की बारीकियों को समझने और अपने ज्ञान एवं अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करने का अवसर प्राप्त किया।

विद्यालय के प्राचार्य श्री दहिकर ने बताया कि युवा संसद प्रतियोगिता विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके जरिए विद्यार्थियों को संसदीय कार्यवाही, लोकतांत्रिक प्रि याओं, संवैधानिक मूल्यों तथा तर्कपूर्ण संवाद का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, तार्किक चिंतन और सामाजिक-राजनीतिक विषयों के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

छत्तीसगढ़ी राजभाषा सम्मेलन में क्षेत्र के साहित्यकार शामिल हुए

भाटापारा। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग का 10 वाँ प्रांतीय अधिवेशन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन के संबंध में अजय साहू अमृतांशु ने बताया कि16 साहित्यकारों ने भाटापारा क्षेत्र से हिस्सा लिया । 8 सत्रों में आयोजित इस प्रांतीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के लगभग 500 साहित्यकार सम्मिलित हुए। नगर के साहित्यकार अजय साहू ने छत्तीसगढ़ी मे गद्य साहित्य अउ अनुवाद की परंपरा का सफल संचालन किया। वहीं कन्हैया साहू ने बाल साहित्य पर वक्तव्य दिया। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा और सचिव डॉ अभिलाषा बेहार की अगुवाई में आयोजित इस अधिवेशन में साहित्यकारों ने छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास, संरक्षण और संवर्धन पर गंभीर चिंतन किया। दो दिवसीय प्रांतीय सम्मेलन में चोवाराम वर्मा ,मनीराम साहू,अनिल जांगड़े,कौशल कुमार साहू, जगदीशहीरा साहू, डॉ दिनेश उपाध्याय, इन्द्राणी साहू, मोहन निषाद,डॉ सीमा अवस्थी, भागवत चंद्राकर, मथुरा प्रसाद वर्मा,दिलेश फेकर, राजेंद्र निर्मलकर, केशव साहू , राज गुप्ता ने हिस्सा लिया।

एक नजर

कलेक्टर के निर्देश पर फसल एवं मकान क्षति का सर्वेक्षण उपरांत मुआवजा

भाटापारा। क्षेत्र में विभिन्न बांधो के गेट खुलने के बाद शिवनाथ नदी में उत्पन्न बाढ़ से प्रभावितो को भारी नुकसान पहुंचा है । इसको मद्दे नजर रखते हुए जिला कलेक्टर ने अतिवृष्टि एवं बाढ़ से प्रभावित किसानों एवं ग्रामिणो को राहत दिलाने के लिए फसल और मकान क्षति का तत्काल सर्वे कर राहत प्रकरण तैयार करने और पात्र प्रभावितों को नियम के अनुसार शीघ्र मुआवजा राशि उपलब्ध कराने को कहा है। कलेक्टर ने बाढ़ आपदा से प्रभावित लोगो को राहत पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए तहसीलदार हुए पटवारियों के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर फसल एवं मकान क्षति का मौके पर ही आकलन करने कहा है । उन्होंने आरबीसी-06-4 के तहत पात्रानुसार प्रकरण तैयार क रके 02 सप्ताह के भीतर मुआवजा राशि पीड़ितो को देने के निर्देश जारी किये है साथ ही कहा गया है कि राहत कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होना चाहिए। उपरोक्त सिलसिले में कलेक्टर ने बाढ़ प्रभावितों की क्षति के आकलन के लिए नियमित और कड़ाई से मॉनिटरिंग करने का निर्देश एसडीएम को भी दिया है।

टोपा में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम संपन्न

भाटापारा। ग्राम टोपा में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें गर्भवती महिलाओं, बच्चों और ग्रामीणों को पोषण, स्वच्छता, टीकाकरण, वजन की निगरानी और किशोर स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बच्चों को खेल-खेल के माध्यम से स्वास्थ्य व पोषण के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही रंगोली प्रतियोगिता भी कराई गई। मितानिन ऊषा ध्रुव ने स्वच्छता, किशोर स्वास्थ्य, बच्चों के वजन, पोषण और टीकाकरण की उपयोगिता बताई। गर्भवती महिलाओं और बच्चों को पोषण आहार वितरित किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी विषयों पर सहज संवाद के जरिए लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। कार्य₹ म में ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं में योगदान देने वाली मितानिन और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ओको सम्मानित किया गया। ऊषा ध्रुव, लक्ष्मी ध्रुव, मनीषा सेन और नीरा ध्रुव को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उपरोक्त अवसर पर प्रमिला वर्मा, एमआर ध्रुव, पिंकी यादव, यामिनी साहू, गंगोत्री ध्रुव, जनक साहू, दशरथ साहू , मिथलेश साहू सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का शिवरतन शर्मा ने किया नाव से दौरा

भाटापारा। लगातार हुई बारिश के कारण शिवनाथ नदी के उग्र तेवर के चलते क्षेत्र में आई बाढ़ को देखते हुए भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने मैदान में उतरते हुए विधानसभा क्षेत्र के सिमगा इलाके के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने नाव में बैठकर ग्राम तोरा, चर वाय में शिवनाथ नदी के बढ़ते जलस्तर एवं जलभराव की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने गावों के प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। शिवरतन शर्मा ने शिवनाथ नदी के जलस्तर की स्थिति का जायजा लेते हुए आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए सुरक्षा एवं बचाव व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों से नदी के जलस्तर, आवागमन एवं संभावित प्रभावित क्षेत्रों की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं का निरंतर ध्यान रखा जाए और जरूरत के अनुसार हर संभव सहायता एवं आवश्यक सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि इस कठिन परिस्थिति में शासन-प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा है और नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए शिवरतन शर्मा ने सभी नागरिकों से नदी एवं जलभराव वाले क्षेत्रों से दूरी बनाए रखने की अपील की।

गांधी-शास्त्री जयंती पर सांसद विजय बघेल ने लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में चलाया स्वच्छता अभियान

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल, सुपेला परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई की तथा लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा को पानी से साफ कर पुष्पमाला अर्पित करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सांसद विजय बघेल ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उन्हें फल वितरित किए। उन्होंने मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वच्छता को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2 अक्टूबर को देशभर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक स्वर्गीय विद्यारतन भसीन के कार्यकाल में लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा का अनावरण किया गया था। आज उनकी जयंती के अवसर पर प्रतिमा की साफ-सफाई कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करना गौरव का विषय है। इस दौरान सफाई कर्मचारी को शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

स्वच्छता अभियान एवं सेवा कार्य में भाजपा महिला मोर्चा भिलाई जिला अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, नेता प्रतिपक्ष एवं पार्षद भोजराज सिन्हा, मंडल अध्यक्ष दीपक भोण्डेकर, अस्पताल अध्यक्ष नरेंद्र श्रीवास्तव, शारदा गुप्ता, विशाल दीप नायर, विजय साहू, शंकर लाल देवांगन, विनोद उपाध्याय, अमित मिश्रा, हरिओम चौहान, जगदीश कर्मकार, दिलीप टंडन, सूर्या बघेल, गीता विश्वकर्मा, दिनु नायर, निर्मल सिंह, सरला आचार्य, धनेश्वर चौहान, विष्णु मिश्रा, कमलेश दुबे, धर्मेंद्र मिश्रा, रूपराम साहू, दिनेश सिंह, रघुनाथ भानु प्रताप राजभर, राजेश सिंह, वीरेंद्र साहू, धर्मेंद्र पाण्डेय, मनोज गुप्ता, दिलीप शर्मा, दशरथ भोई, प्रकाश सावंत, राजेश जैन, के.के. वर्मा, अवधेश पाण्डेय, वि₹ ांत ठाकुर, रजनीकांत अग्रवाल, मुकेश सिंह, मोहन राव, ज्योति सोनी, बी. व्यास बांधे, रमेश दादर, सूर्यकांत पाण्डेय, रुद्रमूर्ति, अभिषेक वर्मा, परमजीत सिंह, पंकज शर्मा, अभिषेक शर्मा, निर्मला नायडू, अनुपमा शुक्ला एवं निहारिका मिश्रा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अस्पताल स्टाफ की ओर से डॉ. मंजु राठौर, सुशीला चौरसिया, रामेश्वरी चंद्रा, अल्का गायकवाड़, पूजा साहू, रेणुका वासनिक, सत्यजीत सिंह, योगेश कुमार, राजू राव, रणधीर राव एवं मुकुंद जंघेल सहित अस्पताल के कर्मचारी उपस्थित रहे।

माँ महामाया धाम बुचिपुर में गूंजा स्वच्छता का संदेश

सेवा संकल्प अभियान के तहत युवा मोर्चा ने चलाया सफाई अभियान

बेमेतरा / प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाये जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत युवा संघ द्वारा माँ महामाया धाम बुचिपुर में भव्य स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। युवा संघ के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों एवं समस्त ग्रामवासियों ने एक साथ श्रमदान करते हुए मंदिर परिसर, पंचायत परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया। आस्था के केंद्र में युवाओं को झाड़ू लगाते देख ग्रामीणों में भी जबरदस्त उत्साह देखा गया।

कार्यक्रम में युवा संघ श्री विजय वर्मा ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि युवा संघ द्वारा अभियान के तहत स्वच्छता सहित 13 प्रमुख सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्वच्छता किसी एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हमारी दैनिक आदत और सामूहिक जिम्मेदारी बननी चाहिए।

युवा संघ के अध्यक्ष श्री ओमकार साहू ने कहा कि माँ महामाया धाम क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है, ऐसे धार्मिक स्थलों को स्वच्छ रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। युवा संघ सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में लगातार सक्रिय है।

कार्यक्रम में युवा संघ के जिलाध्यक्ष विजय वर्मा, ओमकार साहू, महामाया रामसागर साहू, रानी साहू, मखनपुर संतु साहू, कुंवा बलराम यादव, सचिव राजकुमार साहू, रोजगार सहायक खोमराम ध्रुव, नरेश वर्मा, सुरेश वर्मा, जीवन डेहरे, गया वर्मा, अनीता साहू सहित बड़ी संख्या में अन्य कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

विकासखंड स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में शामिल हुए शिवरतन शर्मा

भाटापारा। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के गौरवशाली 25 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर को समर्पित, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित विकासखंड स्तरीय सेवा संकल्प अभियान" के अंतर्गत मॉडर्न इंग्लिश स्कूल में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का भव्य एवं गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। कार्य₹ म में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवरतन शर्मा शामिल हुए। विकासखंड एवं विद्यालय प्रबंधन द्वारा उनका पुष्पगुच्छ से आत्मीय स्वागत किया गया। छत्तीसगढ़ शासन के निदेर्शानुसार प्रतियोगिता के लिए अत्यंत प्रासंगिक और प्रेरणादायी संकेत विषय निर्धारित किए गए थे, जिस पर बच्चों ने बढ़-चढ़कर अपने विचार रखे। जिसमें मेरा सपना - विकसित छत्तीसगढ़, स्वच्छ भारत - स्वस्थ भारत, सेवा संकल्प अभियान - जन-जन का अभियान, स्वस्थ समाज, समृद्ध छत्तीसगढ़, शिक्षा से बदलती दुनिया, मेरा कर्तव्य - विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ बच्चों ने अपनी अद्भुत रचनात्मकता का परिचय दिया। चित्रकला में जहाँ बच्चों ने स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के अपने सपनों को रंगों के माध्यम उतारा, वहीं भाषण प्रतियोगिता में उन्होंने धारा प्रवाह हिंदी और अंग्रेजी में बताया कि शिक्षा कैसे दुनिया बदल सकती है और विकसित भारत के निर्माण में एक विद्यार्थी के तौर पर उनका क्या कर्तव्य है। बच्चों का आत्मविश्वास, उनकी स्पष्टवादिता और राष्ट्र के प्रति प्रेम देखकर उपस्थित सभी जन अभिभूत हो गए। उपरोक्त अवसर पर शिवरतन शर्मा ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए गौरव का दिन है। 7 अक्टूबर 2001 को जब नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, तब उन्होंने जनसेवा की एक नई परिभाषा लिखनी शुरू की थी। आज 25 वर्ष बाद वही निष्काम सेवा यात्रा 'राष्ट्र प्रथम' के विराट संकल्प में बदलकर पूरे विश्व को दिशा दे रही है। ये 25 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। उन्होंने आगे कहा,सेवा संकल्प अभियान केवल एक कार्य₹ म नहीं है, यह जन-जन का अभियान है। प्रधानमंत्री जी के 'सेवा और राष्ट्र प्रथम' के मंत्र को हमारे नौनिहाल जिस उत्साह और समर्पण से आत्मसात कर रहे हैं, वही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत है। बच्चों ने यह साबित कर दिया कि आने वाले 25 वर्षों में विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का नेतृत्व यही बच्चे करेंगे। शर्मा ने सभी प्रतिभागी बच्चों एवं उपस्थित बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उपरोक्त अवसर पर राकेश तिवारी, सुनील यदु, सविता अनंत, ज़ेला वर्मा, महाबल बघेल, पवन वर्मा, मनिंदर गुम्बर, डब्लू ठाकुर, रोहित साहू, द्वारका वर्मा, हारून खान, नितिन ज़ेजवानी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी,विकासखंड स्रोत समन्वयक, विद्यालय के संचालक, प्राचार्य, समस्त शिक्षकगण, भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, अभिभावकगण, अधिकारी कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र- छात्रा उपस्थित थे।

तुरमा में आंगन मिलन कार्यक्रम संपन्न

भाटापारा। ग्राम तुरमा में सेवा संकल्प के तहत आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से बच्चों, माताओं एवं ग्रामीणों को पोषण, मातृत्व तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में माया चौबे एवं सरोजनी ध्रुव,विमला ध्रुव एवं रानी मीरी सहित अन्य लोग उपस्थित थे। कार्य₹ म में महतारी वंदन योजना, मातृत्व एवं पोषण सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी लाभार्थियों के साथ साझा की गई। आंगनबाड़ी केंद्र में ग्रामीण परिवेश एवं स्थानीय खाद्य परंपरा को दशार्ते हुए पारंपरिक व्यंजनों एवं खाद्य सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के पौष्टिक एवं पारंपरिक खाद्य पदार्थों को प्रदर्शित किया गया। बच्चों के लिए विभिन्न व्यंजनों का वितरण भी किया गया। कार्य₹ म में पोषण और स्थानीय खाद्य पदार्थों के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। उपरोक्त अवसर पर तीजराम पाल, जीवराखन यदु, जंतु यादव, नारायण प्रसाद चौबे, दौलत जगत, जेंद्र घृतलहरे, दिलहरन घृतलहरे, सोनचंद, सोहित मनहरे, राम प्रसाद बंजारे, ज्योति निषाद, कलेश्वरी यादव, बासन यादव, चुन्नी

निषाद, जागेश्वरी निषाद, बसंता, मंगलेश्वरी, साक्षी, लता जायसवाल, अनुसुइया यादव, नवसाद बेगम , आशा सिन्हा ,सान्या, दयामती ध्रुव, सीमा कुर्रे, किरण चौबे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

भाटापारा पालिका की सामान्य सभा की बैठक में अनेक प्रस्ताव पास किये गये

भाटापारा। पालिका की सामान्य सभा की बैठक पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में नगर के विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार, पेयजल व्यवस्था, अधोसंरचना को मजबूत करने तथा शहर के भविष्य को ध्यान में रखते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तृत विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय नगर पालिका को नगर निगम में परिवर्तित किए जाने संबंधी प्रस्ताव का सर्वसम्मति से पारित होना रहा। छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी नगर पालिका के रूप में भाटापारा के निरंतर विस्तार, बढ़ती आबादी, व्यापारिक गतिविधियों तथा नागरिक सुविधाओं की बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए नगर निगम का स्वरूप प्रदान किए जाने की दिशा में परिषद का यह निर्णय महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नगर निगम का दर्जा मिलने की दिशा में आगे बढ़ने से भाटापारा के सुनियोजित, व्यापक और दीर्घकालीन विकास के लिए नई संभावनाएं निर्मित होंगी। इससे अधोसंरचना, पेयजल, स्वच्छता, सड़क, बाजार, प्रकाश व्यवस्था सहित नागरिक सुविधाओं के विस्तार को और गति मिलने की उम्मीद है। सामान्य सभा में सुभाष बाजार में 199.10 लाख रूपयें की लागत से प्रस्तावित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य के लिए प्राप्त न्यूनतम निविदा दर की स्वीकृति पर निर्णय लिया गया। इससे बाजार क्षेत्र के व्यवस्थित विकास और बेहतर व्यावसायिक सुविधाओं की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी। इसी तरह संत रविदास वार्ड में 15वें वित्त आयोग मद के अंतर्गत 152.25 लाख रूपयें की लागत से आर.सी.सी. पानी टंकी निर्माण के लिए प्राप्त न्यूनतम निविदा दर को स्वीकृति प्रदान करने संबंधी निर्णय लिया गया। इससे नगर की पेयजल व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार होगा।

अधोसंरचना मद के अंतर्गत नगर के प्रमुख चौकों के सौंदर्यीकरण के लिए 122.55 लाख की लागत से प्राप्त न्यूनतम निविदा दर पर भी आवश्यक निर्णय लिया गया। इसके माध्यम से प्रमुख सार्वजनिक स्थलों को व्यवस्थित, आकर्षक और आधुनिक स्वरूप प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा। परिषद निधि मद के अंतर्गत एस.एल.आर.एम. सेंटर में 4.81 लाख की लागत से बाउंड्रीवॉल निर्माण तथा स्व-वित्तीय योजना के अंतर्गत पुराने सीएमओ क्वार्टर में 16.61 लाख की लागत से शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण से संबंधित निविदा दरों पर भी आवश्यक निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त निकाय में रखे गए अतिरिक्त 30 कर्मचारियों के भुगतान से संबंधित विषय पर भी परिषद द्वारा विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय लिया गया। परिषद द्वारा इन निर्णयों के माध्यम से पेयजल, बाजार, चौक सौंदर्यीकरण, स्वच्छता, अधोसंरचना और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। परिषद का प्रयास है कि वर्तमान जरूरतों के साथ-साथ आने वाले वर्षों में भाटापारा की बढ़ती आबादी और विस्तार को ध्यान में रखते हुए मजबूत एवं टिकाऊ अधोसंरचना विकसित की जाए। उपरोक्त बैठक में उपाध्यक्ष, दिलीप छाबड़िया, मनीष मिश्रा, सतीश तलरेजा सहित तमाम अन्य पार्षद एवं पालिका अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

थान खम्हरिया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में साजा विधायक ईश्वर साहू शामिल हुए और प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, अभिव्यक्ति क्षमता एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बच्चों की प्रतिभा एवं उत्साह देखने को मिला। विधायक ईश्वर साहू ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और प्रयासों की सराहना करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी, सकारात्मक सोच एवं राष्ट्र निर्माण के संस्कार विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

इस अवसर पर सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं एवं आयोजन से जुड़े शिक्षकों को शुभकामनाएं दी गईं तथा उनकी प्रतिभा और प्रयासों की सराहना की गई।

कुगदा गेट समपार फाटक स्थायी रूप से बंद

रोड़ अंडर ब्रिज के माध्यम से सड़क यातायात की सुविधा उपलब्ध होने के बाद लिया गया निर्णय

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत कुम्हारी-सी केबिन के मध्य लेवल क्रॉसिंग क्रमांक 430 (कुगदा गेट) को दिनांक 05 अक्टूबर 2026 से सड़क यातायात के लिए स्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। कुगदा गेट पर लेवल क्रॉसिंग के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है आरयूबी के माध्यम से सड़क यातायात की स्थायी वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध होने के कारण लेवल क्रॉसिंग क्रमांक 430 को नियमानुसार स्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया गया है। 05 अक्टूबर 2026 के बाद लेवल क्रॉसिंग क्रमांक 430 (कुगदा गेट) से किसी भी प्रकार का सड़क आवागमन नहीं किया जा रहा है। सड़क उपयोगकर्ताओं से अपील है कि वे आवागमन के लिए निर्मित आरयूबी का ही उपयोग करें तथा रेलवे सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए सहयोग प्रदान करें।

भाटापारा क्षेत्र में नवरात्रि पर्व की तैयारी जोर शोर से जारी

लगभग 60 स्थानों पर विराजेंगी माता दुर्गा की प्रतिमा

भाटापारा। एक ओर जहां शहर व क्षेत्र में गणेश पंडाल को हटाने का ₹ म चल रहा है वहीं क्वांर पर्व को लेकर जगह जगह मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना के लिए भव्य पैमाने पर पंडाल लगाये जा रहे है। नवरात्रि पर्व पर शहर में लगभग 60 से अधिक स्थानों पर सार्वजनिक दुर्गोत्सव मनाये जाने के लिए जोर शोर से तैयारी प्रारंभ है। एक ओर जहां विशाल पंडाल लगाने के लिए लोग जुटे हुए है। वहीं दुसरी ओर बड़ी तादाद में युवा दुर्गोत्सव चंदा सहयोग राशि लेने झुंड में निकल पड़े है। इस बीच पश्चिम बंगाल सहित दुर्ग , बेमेतरा एवं सिंगारपुर, धुर्राबांधा सहित अन्य स्थानों से मूर्तिकार शहर के अलग अलग क्षेत्र में डेरा डालकर दुर्गा प्रतिमा निर्माण में तेजी से जुटे हुए है। मूर्तिकारो के अनुसार उन्हें शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र रावण , झीपन, रवेली,

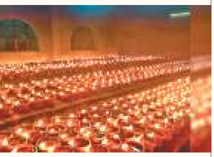

हथबंद, हिरमी, कुथरौद, भटज़ेरा, शिकारी केशली, मोहभट्ठा , कुकराचुंदा, सरगांव, नारायणपुर, निपनिया , बिल्हा, करही मेकरी, सुहेला, जरौद, रानी जरौद, तुरमा , फरहदा, अर्जुनी, खपराडीह, पड़कीडीह सहित अन्य दर्जन भर से अधिक गांव के माता भक्तो से दुर्गा मूर्ति निर्माण का आर्डर प्राप्त हुआ है। जिसको अंतिम रूप से सवारने सजाने की दिशा में मूर्तिकार अपने परिवार के सदस्यों व सहयोगीयों के साथ जुटे हुए है। नवरात्रि पर्व आगामी 11 अक्टुबर से प्रारंभ हो रहा है। इसको लेकर क्षेत्र के प्राचीन व ऐतिहासिक महत्व के धर्म स्थल मांवली माता मंदिर सिंगारपुर एवं महामाया मंदिर तरेंगा में भी साज - सज्जा व रंग रोंगन का कार्य तेज गति से जारी है। उपरोक्त दोनो प्राचीन एवं ऐतिहासिक महत्व के देवी मंदिरों मे दीप प्रज्जवलित करने के लिए पंजीयन कराने का कार्य प्रारंभ हो गया है। इसी तरह सिद्धबाबा धौराभाठा कालीमंदिर, प्राचीन माता देवालय शीतला मंदिर माता देवालय वार्ड के साथ साथ कॉलेज गेट के पास स्थित शीतला मंदिर, सुभाष बाजार शीतला मंदिर नेहरू वार्ड शीतला मंदिर सहित अन्य सभी देवी मंदिरों में नवरात्रि पर्व को लेकर जोर शोर से तैयारी जारी है।

नगर में श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव पर पांच दिवसीय कार्यक्रम

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। अग्रकुल प्रवर्तक एवं समाजवाद के प्रणेता भगवान श्री अग्रसेन जी की जयंती आश्विन शुक्ल एकादशी के अवसर पर 11 अक्टूबर को नगर में अग्रवाल समाज द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। जयंती समारोह में स्पर्श हॉस्पिटल भिलाई के संचालक डॉ. संजय गोयल, पशु चिकित्सा विभाग बेमेतरा के प्रभारी उप संचालक डॉ. निर्मल केडिया तथा नगर के व्यवसायी प्रदीप कागलीवाल अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

जयंती महोत्सव के अंतर्गत 7 से 11 अक्टूबर तक पांच दिवसीय विभिन्न स्पर्धाओं, सामाजिक कार्यक्रमों एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। 9 अक्टूबर को फैंसी ड्रेस एवं डांस प्रतियोगिता आयोजित होगी, जिसमें पुलिस अधीक्षक बेमेतरा त्रिलोक बंसल विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। वहीं 10 अक्टूबर को आनंद मेला आयोजित किया जाएगा।

महोत्सव के दौरान 12वीं बोर्ड परीक्षा सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त करने वाली समाज की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया जाएगा। प्रमुख स्पर्धाओं में स्टार जोड़ी, फन गेम विद किड्स, सनातन सुर, साथिया छाबड़ी बनाना, ऐतिहासिक व्यक्तित्व, फलों की बगिया सजाओ, ओपन माइक एवं मिनी मैराथन सहित विभिन्न कार्यक्रम शामिल हैं।

11 अक्टूबर को मुख्य जयंती समारोह के तहत सुबह 11 बजे ध्वजारोहण के बाद भगवान श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना एवं आरती होगी। दोपहर 3 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके पश्चात शाम 4 बजे सभा का आयोजन किया जाएगा।

अग्रवाल सभा, अग्रवाल नवयुवक मंडल एवं अग्रवाल महिला मंडल ने नगर के सभी अग्रबंधुओं से जयंती महोत्सव के सभी कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक सहभागिता करने का आग्रह किया है।

सेवा संकल्प अभियान

साजा के स्वामी आत्मानंद स्कूल में नुक्कड़ नाटक और रंगोली से दिया स्वच्छता का संदेश

बेमेतरा । सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गत दिवस स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय साजा में स्वच्छता और सेवा का संदेश देने के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक और आकर्षक रंगोली के माध्यम से स्वच्छता, सेवा और देश की विकास गाथा का जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया।

बच्चों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में हुए विकास कार्यों, स्वच्छ भारत अभियान और सेवा ही संकल्प है, के संदेश को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। वहीं रंगोली के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया, जिसकी सभी ने सराहना की।

इस अवसर पर जिला पंचायत बेमेतरा उपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री बलराम पटेल, जनपद पंचायत साजा उपाध्यक्ष श्री नारद वर्मा, नगर पंचायत साजा अध्यक्ष श्री हिमांशु वर्मा, विधायक प्रतिनिधि श्री नेतराम साहू, श्री नारद देवांगन, श्रीमती इंद्राणी सिन्हा तथा शाला विकास प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री बिसरू राम साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में देशभक्ति, स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य ही जन-जन तक सेवा और स्वच्छता का संदेश पहुंचाना है।

स्वच्छ भारत दिवस पर रायपुर रेल मंडल में स्वच्छता शपथ एवं "एक पेड़ मां के नाम" पौधरोपण

मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने रायपुर स्टेशन पर यात्रियों से अमृत संवाद कर स्वच्छता के प्रति जागरूक किया

रायपुर । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल द्वारा 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। 15 दिनों तक विभिन्न थीम पर स्वच्छता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही है, इसी कड़ी में आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर, सादर श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं स्वच्छता पखवाड़ा–2026 के अंतर्गत 02 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर रायपुर रेल मंडल में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

रायपुर रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद एवं अध्यक्षा सेक्रो रायपुर श्रीमती शिखा सिंह ने रायपुर रेलवे स्टेशन परिसर में स्वयं झाड़ू लगाकर अपनी फैलाए कचरे के प्रति स्वयं जिम्मेदार होने का संदेश दिया

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर, सादर श्रद्धांजलि अर्पित की गई

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता शपथ लेकर रेलवे परिसरों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने, 100 घंटे यानी प्रति सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करने, अपने आसपास गांव काशन शहर गली मोहल्लों सरकारी संस्थानों रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता की जिम्मेदारी का संकल्प लिया। इस अवसर पर रेलवे भूमि पर स्वच्छ एवं विकसित किए गए स्थानों पर "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद एवं अध्यक्षा सेक्रो (SECRWWO), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन रायपुर - श्रीमती शिखा सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री बजरंग अग्रवाल सहित रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की। इसके साथ ही प्रमुख स्टेशनों एवं रेलवे कॉलोनियों में "स्वच्छ रेल, स्वच्छ भारत" संदेश के साथ स्वच्छ रथ एवं प्रभात फेरी जैसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया गया। रायपुर रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद एवं अध्यक्षा सेक्रो रायपुर श्रीमती शिखा सिंह ने रायपुर रेलवे स्टेशन परिसर में आरक्षण सह अनारक्षित टिकट केंद्र के पास से अस्थाई मुख्य प्रवेश द्वार से स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर यात्रियों से स्वच्छता पर चर्चा की एवं स्वच्छता जागरूकता अपने पर जोर दिया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने स्वच्छता जागरूकता नुक्कड़ नाटक से लोगों को जागरूक किया।

रायपुर रेल मंडल में डब्ल्यू आर एस कॉलोनी रायपुर में स्वच्छ भारत फेरी स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत स्लोगन के साथ निकाली गई। स्वच्छता पखवाड़े के तहत रायपुर रेल मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों सहित अन्य स्टेशनों पर यात्रियों के साथ अमृत संवाद एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान में वृक्षारोपण किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वह स्वच्छता के प्रति जागरूक रहे अपने द्वारा फैलाए कचरे को तुरंत डस्टबिन में डालें खाने पीने की वस्तुएं इधर-उधर ना फेंके स्टेशन परिसर में लगे डस्टबिन का उपयोग करें ट्रेन में यात्रा करते समय कचरा अपनी सीट के आसपास ना फैलाएं कोच में लगे डस्टबिन में कचरा डालें। हम सभी अपने कचरे के प्रति जागरुक रहेंगे तो भविष्य में कभी भी हमें आसपास कचरा दिखाई नहीं देगा।

अरूण छाबड़ा को बनाया गया भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य सदस्य

भाटापारा। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा द्वारा अरुण छाबड़ा बंटी को कार्यकारिणी सदस्य के पद पर नियुक्त किया गया है। वे भारत स्काउट गाइड 9 नेशनल जंबुरी बोधगया बिहार में भाग ले चुके हैं लंबे समय से समाज सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यों में सरि्र य हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता, युवा गतिविधियों, खेल एवं जरूरतमंदों की सहायता सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखते हुए यह नई जिम्मेदारी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ की राज्य कार्यकारिणी में उनकी नियुक्ति से युवाओं एवं समाज के बीच सेवा, अनुशासन, नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने में उनके अनुभव का उपयोग किया जा सकेगा। अरुण छाबड़ा को नये दायित्व मिलने पर लोगो में प्रसन्नता व्याप्त है। अजयकांत शुक्ला , गुड्डा मोदी, सुशील छाबड़ा, सुरेश छाबड़ा, कुलदीप छाबड़ा, रविन्द्र गिन्नौरे, जयकरण साहू, नितीन भंसाली, महेश शर्मा, अनिल मसीह, निरज राठी, विजय पांडेय, नभ साहू, राजकुमार मल, पवन सबलानी, अनोज सोनी, राजा टुटेजा, सनटी, उपाध्याय, नितेश सोनी, हेमसिंग चौहान,मनोज पांडेय, सुनील थदवानी, अमर वर्मा ,आलोक जायसवाल,अनिल छाबड़ा, अमित सचदेव, राहुल खन्ना, प्रांजल कौर छाबड़ा, अशोक भल्ला, परमजीत सिंग सलुजा, रंजीत सिंग मक्कड़, अनिल जायसवाल , नितेश छाबड़ा, गौरव छाबड़ा सहित अन्य लोगो ने बधाई दीं है।

अवैध शराब बेचने वाले 05 लोग पुलिस के हत्थे चढ़े, 35 हजार का अवैध शराब जब्त

भाटापारा। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के सख्त निर्देश के बाद पुलिस गश्ति दल ने अवैध शराब विर्र ताओं के विरूद्ध धर पकड़ अभियान चलाते हुए 265 पाव अवैध देशी मसाला शराब जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 35 हजार है बरामद किया है। पुलिस की टीम द्वारा ग्राम बिजराडीह में कोमल यदु के मकान पर दबीश देकर उसके घर के रसोई में रखे 100 पाव देशी मसाला शराब जिसमें 48 पाव शेरा ब्रांड 52 पाव शोले ब्रांड शराब बरामद किया गया। इसी तरह ग्राम दतरेंगा में कुंदन साहू द्वारा गौठान के पास शराब बेचते हुए 65 पाव देशी मसाला शराब शोले ब्रांड जब्त किया गया। इसी तरह ग्राम कड़ार में अजीत बंजारे के घर में छापामार कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बाड़ी में छिपाकर रखे गये बोरी से 100 पाव शेरा ब्रांड देशी मसाला शराब बरामद किया है। शराब सप्लाई पूर्व नेटवर्क रोशन बघेल को भी पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस की टीम ने शहरी क्षेत्र के लाल बहादुर शास्त्री वार्ड , पटपर चौक के पास नितेश यदु को पकड़ा है उसके द्वारा झोपड़ी पीछे छुपाकर अवैध शराब रखा गया था। इस तरह पुलिस टीम ने अवैध शराब विक्रेता , कोमल यदु, कुंदन साहू, अजीत बंजारे, रोशन बघेल, नितेश यदु को पकड़कर उनके विरूद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34 (2) तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 111 के तहत कार्यवाही की है।

सेवा संकल्प कार्यक्रम के तहत कन्या स्कूल में कार्यक्रम संपन्न

भाटापारा। मारवाड़ी कुआ के पास स्थित प्राथमिक कन्या शाला में संजय वार्ड एवं शंकर वार्ड का संयुक्त रूप से सेवा संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं , सहायिकाओं, मितानिन दीदी का सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान पोषण आहार का वितरण भी किया गया जिसमें वार्ड के लाभार्थी बड़ी तादाद में उपस्थित थे। उपरोक्त संपूर्ण कार्यक्रम पालिका उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया , मनीष मिश्रा, सुशीला सोनी, अन्नपूर्णा वैष्णव , हर्ष जैन, श्रेणिक गोल्छा, आशीष पुरोहित सहित बड़ी तादाद में अन्य लोग मौजुद थे।

आवारा मवेशियों व कुत्तों से लोग परेशान

भाटापारा। शहर व क्षेत्र में इन दिनों बड़े पैमाने पर आवारा मवेशियों के स्वतंत्र रूप से सड़क पर घुमने से यातायात बाधित हो रहा है। खासकर शहर के प्रमुख चौक चौराहे पर झुंड में आवारा मवेशियों के बैठ जाने से वाहन चालक चोटिल हो रहे है। वहीं गौरव पथ सदर बाजार , हटरी बाजार, बस स्टैण्ड चौक, रेलवे स्टेशन चौक, अस्पताल चौक, महतारी चौक, रेलवे ओव्हर ब्रिज एवं रेलवे अंडर ब्रिज में सैक ड़ो की संख्या में गाय , बैल, ज़ैंस - ज़ैंसा, सांड के स्वच्छंद विचरण से लोग हलाकान है। गत दिनों सांड लड़ाई में एक सब्जी विर्र ता महिला जहां चोटिल हो गई वही इसी प्रकार की एक अन्य सांड लड़ाई में ट्रेजरी तिराहे के पास एक सेवानिवृत्त कर्मचारी भी अपनी मोटर सायकल समेत नाली में गिर गया। जिससे उसे भी चोट पहुंची है। इस प्रकार के हादसे एक लंबे समय से जानवरो के कारण हो रहे है। उसके बावजुद प्रशासन की ओर से सड़क पर खुलेआम घुम रहे जानवरो को पकड़ने व चौक चौराहे से हटाने की दिशा में कार्य नही किये जाने से लोगो में भारी आर्र ोश व्याप्त है। इसी तरह मवेशियों के अलावा शहर में बड़ी तादाद में आवारा कुत्तो का भी आतंक बढ़ गया है। कई लोगो को आवारा कुत्तो द्वारा काटे जाने की घटना के बाद लोग निजी अस्पतालो में अपना इलाज करा रहे है। कुत्तो की धमा चौकड़ी से रास्ता चलते वाहन चालक दुर्घटना के शिकार भी हो रहे है। कुत्तो की भारी तादाद से लोग हलाकान हो गये है। कई स्थानों पर तो कुत्ते बेधड़क लोगो के घरो के भीतर घुस रहे है। नेहरू वार्ड में तो एक कुत्ते ने हद पार करते हुए दो मंजिला मकान के छत पर चढ़कर लोगो को हैरान कर दिया है। कुल मिलाकर शहर में लोग आवारा मवेशियों व कुत्तो से परेशान है।

भाटापारा मंडी में इस सत्र का नया धान लेकर पहुंचे किसान का किया गया सम्मान

नया महामाया धान ने 3561 रूपये प्रति क्विंटल पर बिक कर रिकॉर्ड तोड़ा

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। प्रदेश की सबसे बड़ी कृषि उपज मंडी में इस खरीफ फसल का नया महामाया धान बिक्री के लिए पहुंचा। नये फसल की महामाया धान ग्राम गुनरबोड के कृषक राजेश मलिक ने लाया उनके द्वारा लाये गये नये महामाया धान की बेहतर क्वालिटी के कारण प्रतिस्पर्धी खरीदारों के बीच लगातार बोली लगाया गया। जिसके कारण नया महामाया धान रिकॉर्ड तोड़ 3561 रूपयें प्रति क्विटंल के दर पर बिका । इस तरह भाटापारा मंडी में यह अब तक का सर्वाधिक भाव है। जिसमें प्रथम बार पहुंचे नये उपज को अप्रत्याशित रूप से ऊंचा भाव मिला। उक्त धान के खरीददार मंधान फुड्स के संचालक महेश मंधान थे। मंडी प्रांगण में धान खरीददार द्वारा किसान राजेश मलिक को मिठाई खिलाकर व श्रीफल ज़ेंटकर सम्मानित किया गया। उपरोक्त अवसर पर मंडी सचिव चुन्नीलाल ध्रुव ने किसान व धान खरीदने वाले व्यापारी को बधाई देते हुए कहा कि भाटापारा मंडी हमेशा महामाया धान की अच्छी कीमत देने वाला मंडी के रूप में पहचान बनाये हुए है। ऊंचे कीमत से धान बिकने के कारण भाटापारा मंडी गौरान्वित हुआ है। भाटापारा मंडी में हमेशा उचित तौल वाजिब दाम व तत्काल भुगतान के कारण प्रदेश के कोने कोने से किसान यहां अपनी उपज बेचने पहुंचते है। मंडी प्रांगण में नये धान की आवक के अलावा महामाया धान, रगजा मोटा धान, पतला धान व उन्हारी उपज की भी अच्छी आवक रही। इसके अलावा प्रांगण में पुराना महामाया धान भी 2738 रूपयें प्रति क्विटंल के भाव से बिका। इसी तरह एचएमटी धान, श्रीराम धान, विष्णु ज़ेग धान, बटरी एवं चना की भी आवक हुई और उन्हें भी बहुत अच्छा भाव प्राप्त हुआ।

भाटापारा क्षेत्र में बाढ़ का पानी उतरते ही सरपट दौड़ने लगे हैं सेमरिया घाट से वाहन

भाटापारा। लगातार चार दिनों तक शिवनाथ नदी की बाढ़ की विभीषिका झेलने के बाद शिवनाथ का रौद्र रूप शांत होते ही सेमरिया घाट पुल पर यातायात सामान्य रूप से प्रारंभ हो गया । नदी के पानी का जल स्तर पुल के नीचे पहुंचते ही भाटापारा से बिलासपुर की ओर जाने वाली तमाम यात्री बस ई - रिक्शा टैम्पो , टैक्सी , चौपहिया वाहन , दुपहिया वाहन एवं हैवी वाहन के साथ साथ सीमेंट संयंत्रो की ओर आने जाने वाले तमाम कैप्शुल वाहन सेमरिया पुल के रास्ते दौड़ने लगे । इस बीच चार दिन की बाढ़ की वजह से पुल पर बहकर आये अनेक पेड़ की टहनियों एवं कचरा का जमावड़ा पुल के एंगल पर फस जाने से लोगो को थोड़ी परेशानी का सामना आवा - जाही के दौरान करना पड़ा है। सेमरिया घाट पुल पर बाढ़ का पानी उतरते ही लोगो ने राहत की सास ली है। खासकर नदी में नाव चलाकर मछली पकड़ने वाले नाविकों के दर्जन भर नाव अब फिर से नदी में दिखने लगे है। वहीं नदी के दोनो छोर पर मछली बेचने वालो का भी जमावड़ा लगा है। सेमरिया घाट पुल के डुबान में आ जाने से भाटापारा से बिलासपुर , बैतलपुर , नारायणपुर, चंदखुरी , सरगांव , पथरिया सहित सैकड़ो गांव व कस्बो के लोग परेशान थे। खासकर दैनिक रोजगार के सिलसिले से भाटापारा आने वाले गरीब मजदुर भी हाथ पर हाथ धरे बैठे बाढ़ के उतरने का इंतजार कर रहे थे। उन्हें भी राहत मिली है । इधर बाढ़ में डुबे खेतो से पानी निकालने के लिए किसान बड़ी तादाद में सुबह से शाम तक जुटे रहे । कई खेतो में तो अभी भी पानी का जमाव हो जाने से धान की फसल को बुरी तरह नुकसान पहुंचा है। इस बीच शासन के आदेश के बाद बाढ़ प्रभावितों को मुआवजा प्रदान करने की दिशा में शीघ्र प्रशासन कार्यवाही करेगा जिससे बाढ़ पीड़ित लोगो को आंशिक राहत मिलने की उम्मीद है। लोगो का अनुमान है कि इस बरसात के सीजन का यह अंतिम बाढ़ भाटापारा वासियों को झेलना पड़ा है। उम्मीद है कि अब बरसात व बाढ़ की विदाई लगभग तय है।

एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन के सिलाई प्रशिक्षण केंद्र पटेवा में प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम संपन्न

पटेवा (महासमुंद)। एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन द्वारा संचालित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र, पटेवा में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली प्रशिक्षार्थियों के प्रमाण पत्र वितरण समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री धरम पटेल जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में एकल अभियान के समिति सदस्य श्री सोमनाथ सिन्हा जी, सिलाई प्रशिक्षण केंद्र के अध्यक्ष श्री नन्द कुमार निर्मलकर जी, सचिव श्री संतोष

शर्मा जी, ग्राम पंचायत पटेवा की सरपंच श्रीमती दूज बाई जी, वार्ड पंच श्रीमती माधवी चक्रधारी जी, वार्ड पंच नरेंद्र साहू, मालती, नोहर निषाद, अनीता यादव, संच प्रमुख पटेवा श्री रूपेश यादव जी, यूथ क्लब अध्यक्ष श्रीमती निशा भारती जी, सचिव श्रीमती तुलसी यादव जी, कोषाध्यक्ष श्रीमती भूमिसुता जी, ईजीएफ स्टेट सुपरवाइजर श्री गजेन्द्र पटेल जी, दंडकारण्य भाग समन्वयक श्री हिम्मन कुमार साहू जी, मोबिलाइजर श्री मोहन लाल बघेल जी एवं सिलाई शिक्षिका

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं

पटेवा सिलाई केंद्र में प्रशिक्षार्थी को प्रमाण पत्र देते जिला पंचायत अध्यक्ष धरम पटेल

श्रीमती प्रेमलता जांगड़े जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन के विभिन्न प्रकल्पों, स्वामी विवेकानंद यूथ क्लब के गठन एवं सैटेलाइट सेंटर खोलने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई।

सरस्वती शिशु मंदिर में अभिभावक सम्मेलन, विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य पर हुआ मंथन

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ की योजनानुसार स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर थानखम्हरिया में प्राथमिक वर्ग कक्षा अरुण से पंचम तक के अभिभावकों का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ विद्यालय एवं अभिभावकों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना रहा। इस दौरान विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य, अनुशासन, संस्कार, सदाचार एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने को लेकर विस्तार से मंथन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि हरीश लूनिया (कवर्धा), अभिभावक शंकर लाल शर्मा, प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुरेश सिंघानिया, व्यवस्थापक राकेश जोशी एवं सहसचिव पुरुषोत्तम सिंघानिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अतिथि परिचय प्राचार्य लखन लाल साहू ने कराया।

सम्मेलन में अनेक अभिभावकों ने अपने पाल्य-पाल्याओं से संबंधित समस्याएं एवं सुझाव रखे। प्रबंध समिति ने अभिभावकों की बातों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए समस्याओं पर मनन-चिंतन कर उचित समाधान का आश्वासन दिया। साथ ही अभिभावकों से घर पर बच्चों के नियमित अध्ययन की निगरानी करने तथा आचार्यों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने पर जोर दिया गया।

मुख्य अतिथि हरीश लूनिया ने अपने उद्बोधन में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों से जीवन के छोटे-छोटे दैनिक कार्य अवश्य करवाने चाहिए। माता-पिता बच्चों की उचित देखभाल के साथ इस बात पर भी सतत निगाह रखें कि वे किन लोगों के साथ रहते हैं और किस प्रकार के वातावरण में उनका उठना-बैठना है। उन्होंने कहा कि परीक्षा में प्राप्त अच्छे अंकों को ही बच्चों की श्रेष्ठता का पैमाना नहीं मानना चाहिए, बल्कि उनमें विद्यमान अन्य क्षेत्रों की प्रतिभा एवं कुशलता को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

उन्होंने अभिभावकों से बच्चों में अनुशासन, संस्कार, सदाचार और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का आह्वान करते हुए कहा कि बच्चों को स्वामी विवेकानंद, छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप, मदालसा और रानी लक्ष्मीबाई जैसे महान व्यक्तित्वों के आदर्शों से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने आचार्यों से शिक्षा को अधिक गुणकारी एवं प्रभावी बनाने के लिए निरंतर नवाचार अपनाने की बात कही।

लूनिया ने अभिभावकों को विद्यालय का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि जब माता-पिता अपने बच्चों को विद्यालय भेजते हैं, तभी विद्यालय की व्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था आगे बढ़ती है। उन्होंने विद्यालय एवं अभिभावकों के बीच निरंतर संवाद और सहयोग को विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक बताया।

प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल ने सभी पालकों से विद्यालय के विकास में सतत एवं महती योगदान देने का आग्रह किया। उपाध्यक्ष सुरेश सिंघानिया ने अभिभावकों से अपनी समस्याएं एवं सुझाव बेहिचक विद्यालय प्रबंधन के समक्ष रखने की बात कही।

सम्मेलन में विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए विद्यालय परिवार और अभिभावकों के बीच समन्वय मजबूत करने, घर पर बच्चों की पढ़ाई की नियमित निगरानी रखने तथा आचार्यों से निरंतर संपर्क बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। विद्यार्थियों में अनुशासन, संस्कार, सदाचार एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए अभिभावकों और आचार्यों के संयुक्त प्रयासों को आवश्यक बताया गया।

अंत में व्यवस्थापक राकेश जोशी ने पालकों द्वारा रखी गई समस्याओं एवं सुझावों का उल्लेख करते हुए सभी अतिथियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यर्₹ म का संचालन मुकेश राजपूत ने किया। शांति मंत्र के साथ कार्यर्₹ म का समापन हुआ।

मिनी मैराथन प्रतियोगिता में भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने विजेताओं को किया सम्मानित

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। नगर में गुरुवार सुबह का नजारा बेहद ऊर्जावान रहा। भारत माता सैनिक फिजिकल अकादमी, भाटापारा द्वारा आयोजित मिनी मैराथन प्रतियोगिता में सैकड़ों युवाओं, स्कूली बच्चों एवं बच्चियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। पूरे नगर में फिटनेस और देशभक्ति का संदेश गूंज उठा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवरतन शर्मा सम्मिलित हुए। शिवरतन शर्मा ने सभी धावकों से भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया, उनका हौसला बढ़ाया और प्रतियोगिता की सफलता हेतु शुभकामनाएं दीं.।

मैराथन के रोमांचक समापन के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में शिवरतन शर्मा ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार, देकर सम्मानित किया। उन्होंने सभी विजेताओं को बधाई दी तथा इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक बच्चे एवं बच्ची को उनके उज्ज्वल भविष्य, बेहतर स्वास्थ्य और सफल जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में शिवरतन शर्मा ने कहा कि,यह केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि अनुशासन, देशभक्ति और फिटनेस के संकल्प की दौड़ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया - हिट इंडिया के मंत्र को आज भाटापारा के युवाओं ने चरितार्थ कर दिया है। शिवरतन शर्मा ने आगे कहा कि युवाओं एवं नागरिकों में स्वस्थ जीवनशैली, फिटनेस और खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में ऐसे आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जब हमारा युवा फिट रहेगा, अनुशासित रहेगा, तभी हमारा भाटापारा, हमारा छत्तीसगढ़ और हमारा भारत विकसित और सशक्त बनेगा। शर्मा ने कहा कि भारत माता सैनिक फिजिकल अकादमी जिस प्रकार युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार कर रही है, वह प्रशंसनीय है। यह अकादमी न सिर्फ फिजिकल ट्रेनिंग दे रही है, बल्कि युवाओं में राष्ट्र सेवा का जज्बा भी पैदा कर रही है।

अंत में इस सफल, शानदार एवं प्रेरणादायक आयोजन के लिए शिवरतन शर्मा ने भारत माता सैनिक फिजिकल अकादमी के संचालक मंडल, समस्त प्रशिक्षकों, सहयोगियों एवं प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी नागरिकों को बधाई दी..

"क्रांतिरथ छत्तीसगढ़" परिवार की ओर से सादर नमन विनम्र श्रद्धांजलि

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : नारायण भूषणिया द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर-40/44 इंडस्ट्रीयल एरिया बीरगांव उरला रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कराकर एच.डी.डी./49, फेस-2 मेन रोड, कबीर नगर रायपुर से प्रकाशित, संपादक-नारायण भूषणिया मो.नं. 09300491602, RNI पंजीयन क्रमांक: CHHHIN/2010/34778, Email ID- krantirath.cg@gmail.com, / web- www.krantirath.com